Test Analysis Report

Test: GS Paper - II

Student: subhajit mandal | **Email:** mandalsubhajit153@gmail.com

Score: 120.38 | **Completed:** Invalid Date

TOTAL QUESTIONS	CORRECT	WRONG	ACCURACY
80	66	14	82.5%
Questions in test	Right answers	Incorrect answers	Success rate

Question Toughness Distribution

Conceptual

80

questions

Question Overview

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30	31	32
33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48
49	50	51	52	53	54	55	56	57	58	59	60	61	62	63	64
65	66	67	68	69	70	71	72	73	74	75	76	77	78	79	80

Correct Answer Wrong Answer Not Attempted

All Questions & Answers

1 **Question 1** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The law in many parts of the world increasingly restricts the discharge of agricultural slurry into watercourses. The simplest and often the most economically sound practice returns the material to the land as semisolid manure or as sprayed slurry. This dilutes its concentration in the environment to what might have occurred in a more primitive and sustainable types of agriculture and converts pollutant into fertilizer. Soil microoganisms decompose the organic components of sewage and slurry and most of the mineral nutrients become available to be absorbed again by the vegetation. The excess input of nutrients, both nitrogen and phosphorus – based, agricultural runoff (and human sewage) has caused many 'healthy' oligotrophic lakes (low nutrient concentrations, low plant productivity with abundant water weeds, and clear water) to change to eutrophic condition where high nutrient inputs lead to high phytoplankton productivity (sometimes dominated by bloom-forming toxic species). This makes the water turbid, eliminates large plants and, in the worst situations, leads to anoxia and fish kills; so called cultural eutrophication. Thus, important ecosystem services are lost, including the provisioning service of wild-caught fish and the cultural services associated with recreation.

The process of cultural eutrophication of lakes has been understood for some time. But only recently did scientists notice huge 'dead zones' in the oceans near river outlets., particularly those draining large catchment areas such as the Mississippi in North America and the Yangtze in China. The nutrient-enriched water flows through streams, rivers and lakes, and eventually to the estuary and ocean where the ecological impact may be huge, killing virtually all invertebrates and fish in areas up to 70,000 km2 in extent. More than 150 sea areas worldwide are now regularly starved of oxygen as a result of decomposition of algal blooms, fuelled particularly by nitrogen from agricultural runoff of fertilizers and sewage from large cities. Oceanic dead zones are typically associated with industrialized nations and usually lie off countries that subsidize their agriculture, encouraging farmers to increases productivity and use more fertilizer.

According to the passage, why should the discharge of agricultural slurry into watercourses be restricted?

1. Losing nutrients in this way is not a good practice economically.
2. Watercourses do not contain the microorganisms that can decompose organic components of agricultural slurry.
3. The discharge may lead to the eutrophication of water bodies.

Select the correct answer using the codes given below:

परिच्छेद

विश्व के अनेक भागों में कानून कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर बढ़ती हुई पाबंदी लगाता है। सबसे सरल और प्रायः आर्थिक दृष्टि से सबसे उचित उपाय यह है कि इस पदार्थ को अर्धठोस खाद के रूप में या छिड़काव किए गए कीचड़ के रूप में भूमि पर वापस कर दिया जाए। इससे पर्यावरण में इसकी सांद्रता उस स्तर तक कम हो जाती है जो अधिक आदिम और सतत प्रकार की कृषि में हो सकती थी तथा प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित कर देता है। मृदा के सूक्ष्मजीव सीवेज और कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन करते हैं और अधिकांश खनिज पोषक तत्व पुनः वनस्पतियों द्वारा अवशोषित होने के लिए उपलब्ध हो जाते हैं।

पोषक तत्वों का अत्यधिक प्रवेश, विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस आधारित कृषि अपवाह (तथा मानव सीवेज), ने अनेक 'स्वस्थ' अल्पपोषी झीलों (कम पोषक तत्व सांद्रता, कम पादप उत्पादकता, प्रचुर जलीय खरपतवार और स्वच्छ जल) को सुपोषी अवस्था में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ अधिक पोषक तत्व प्रवाह उच्च फाइटोप्लैंकटन उत्पादकता (कभी-कभी प्रस्फुटन करने वाली विषैली प्रजातियों द्वारा प्रभुत्व) को जन्म देता है। इससे जल धुंधला हो जाता है, बड़े पौधों का लोप हो जाता है और अत्यंत खराब स्थितियों में ऑक्सीजन की कमी तथा मछलियों की मृत्यु होती है; जिसे

सांस्कृतिक सुपोषण कहा जाता है। इस प्रकार महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएँ समाप्त हो जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पकड़ी जाने वाली मछलियों की आपूर्ति सेवा तथा मनोरंजन से संबंधित सांस्कृतिक सेवाएँ शामिल हैं।
झीलों के सांस्कृतिक सुपोषण की प्रक्रिया को कुछ समय से समझा गया है। परंतु हाल ही में वैज्ञानिकों ने नदियों के मुहानों के समीप महासागरों में विशाल 'मृत क्षेत्र' देखे, विशेषकर वे जो बड़े जलग्रहण क्षेत्रों को जलनिकास देते हैं, जैसे उत्तरी अमेरिका की मिसिसिपी और चीन की यांग्त्से। पोषक तत्वों से समृद्ध जल नालों, नदियों और झीलों से होकर बहता है और अंततः मुहाने तथा समुद्र तक पहुँचता है, जहाँ पारिस्थितिक प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकता है, जो लगभग सभी अकशेरुकी जीवों और मछलियों को नष्ट कर देता है, जो 70,000 वर्ग किमी तक के क्षेत्रों में फैला हो सकता है। विश्वभर में 150 से अधिक समुद्री क्षेत्र अब नियमित रूप से ऑक्सीजन की कमी से ग्रस्त हैं, जो शैवाल प्रस्फुटन के अपघटन के परिणामस्वरूप होता है, जिसे विशेष रूप से कृषि अपवाह से नाइट्रोजन तथा बड़े शहरों के सीवेज द्वारा प्रेरित किया जाता है। महासागरीय मृत क्षेत्र सामान्यतः औद्योगिक देशों से संबंधित होते हैं और प्रायः उन देशों के तटों के पास स्थित होते हैं जो अपनी कृषि को अनुदान देते हैं, जिससे किसान उत्पादकता बढ़ाने और अधिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।
गद्यांश के अनुसार, कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर प्रतिबंध क्यों लगाया जाना चाहिए?
1. इस प्रकार पोषक तत्वों का नुकसान आर्थिक दृष्टि से उचित नहीं है।
2. जलधाराओं में ऐसे सूक्ष्मजीव नहीं होते जो कृषि अपशिष्ट कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन कर सकें।
3. इसका प्रवाह जल निकायों के सुपोषण का कारण बन सकता है।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

C. 1 and 3 only ✓
केवल 1 और 3

D. 1, 2 and 3
1, 2 और 3

CORRECT ANSWER: C

YOUR ANSWER: C

💡 **EXPLANATION:**

.

2 **Question 2** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The law in many parts of the world increasingly restricts the discharge of agricultural slurry into watercourses. The simplest and often the most economically sound practice returns the material to the land as semisolid manure or as sprayed slurry. This dilutes its concentration in the environment to what might have occurred in a more primitive and sustainable types of agriculture and converts pollutant into fertilizer. Soil microoganisms decompose the organic components of sewage and slurry and most of the mineral nutrients become available to be absorbed again by the vegetation. The excess input of nutrients, both nitrogen and phosphorus – based, agricultural runoff (and human sewage) has caused many 'healthy' oligotrophic lakes (low nutrient concentrations, low plant productivity with abundant water weeds, and clear water) to change to eutrophic condition where high nutrient inputs lead to high phytoplankton productivity (sometimes dominated by bloom-forming toxic species). This makes the water turbid, eliminates large plants and, in the worst situations, leads to anoxia and fish kills; so called cultural eutrophication. Thus, important ecosystem services are lost, including the provisioning service of wild-caught fish and the cultural services associated with recreation.

The process of cultural eutrophication of lakes has been understood for some time. But only recently did scientists notice huge 'dead zones' in the oceans near river outlets., particularly those draining large catchment areas such as the Mississippi in North America and the Yangtze in China. The nutrient-enriched water flows through streams, rivers and lakes, and eventually to the estuary and ocean where the ecological impact may be huge, killing virtually all invertebrates and fish in areas up to 70,000 km2 in extent. More than 150 sea areas worldwide are now regularly starved of oxygen as a result of decomposition of algal blooms, fuelled particularly by nitrogen from agricultural runoff of fertilizers and sewage from large cities. Oceanic dead zones are typically associated with industrialized nations and usually lie off countries that subsidize their agriculture, encouraging farmers to increases productivity and use more fertilizer.

The passage refers to the conversion of "pollutant to fertilizer". What is pollutant and what is fertilizer in this context?

परिच्छेद

विश्व के अनेक भागों में कानून कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर बढ़ती हुई पाबंदी लगाता है। सबसे सरल और प्रायः आर्थिक दृष्टि से सबसे उचित उपाय यह है कि इस पदार्थ को अर्धठोस खाद के रूप में या छिड़काव किए गए कीचड़ के रूप में भूमि पर वापस कर दिया जाए। इससे पर्यावरण में इसकी सांद्रता उस स्तर तक कम हो जाती है जो अधिक आदिम और सतत प्रकार की कृषि में हो सकती थी तथा प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित कर देता है। मृदा के सूक्ष्मजीव सीवेज और कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन करते हैं और अधिकांश खनिज पोषक तत्व पुनः वनस्पतियों द्वारा अवशोषित होने के लिए उपलब्ध हो जाते हैं।

पोषक तत्वों का अत्यधिक प्रवेश, विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस आधारित कृषि अपवाह (तथा मानव सीवेज), ने अनेक 'स्वस्थ' अल्पपोषी झीलों (कम पोषक तत्व सांद्रता, कम पादप उत्पादकता, प्रचुर जलीय खरपतवार और स्वच्छ जल) को सुपोषी अवस्था में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ अधिक पोषक तत्व प्रवाह उच्च फाइटोप्लैंकटन उत्पादकता (कभी-कभी प्रस्फुटन करने वाली विषैली प्रजातियों द्वारा प्रभुत्व) को जन्म देता है। इससे जल धुंधला हो जाता है, बड़े पौधों का लोप हो जाता है और अत्यंत खराब स्थितियों में ऑक्सीजन की कमी तथा मछलियों की मृत्यु होती है; जिसे सांस्कृतिक सुपोषण कहा जाता है। इस प्रकार महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएँ समाप्त हो जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पकड़ी जाने वाली मछलियों की आपूर्ति सेवा तथा मनोरंजन से संबंधित सांस्कृतिक सेवाएँ शामिल हैं।

झीलों के सांस्कृतिक सुपोषण की प्रक्रिया को कुछ समय से समझा गया है। परंतु हाल ही में वैज्ञानिकों ने नदियों के मुहानों के समीप महासागरों में विशाल 'मृत क्षेत्र' देखे, विशेषकर वे जो बड़े जलग्रहण क्षेत्रों को जलनिकास देते हैं, जैसे उत्तरी अमेरिका की मिसिसिपी और चीन की यांग्त्से। पोषक तत्वों से समृद्ध जल नालों, नदियों और झीलों से होकर

बहता है और अंततः मुहाने तथा समुद्र तक पहुँचता है, जहाँ पारिस्थितिक प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकता है, जो लगभग सभी अकशेरुकी जीवों और मछलियों को नष्ट कर देता है, जो 70,000 वर्ग किमी तक के क्षेत्रों में फैला हो सकता है। विश्वभर में 150 से अधिक समुद्री क्षेत्र अब नियमित रूप से ऑक्सीजन की कमी से ग्रस्त हैं, जो शैवाल प्रस्फुटन के अपघटन के परिणामस्वरूप होता है, जिसे विशेष रूप से कृषि अपवाह से नाइट्रोजन तथा बड़े शहरों के सीवेज द्वारा प्रेरित किया जाता है। महासागरीय मृत क्षेत्र सामान्यतः औद्योगिक देशों से संबंधित होते हैं और प्रायः उन देशों के तटों के पास स्थित होते हैं जो अपनी कृषि को अनुदान देते हैं, जिससे किसान उत्पादकता बढ़ाने और अधिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।
गद्यांश में "प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित करना" का उल्लेख है। इस संदर्भ में प्रदूषक क्या है और उर्वरक क्या है?

OPTIONS:

A. Decomposed organic component of slurry is pollutant and microorganisms in soil constitute fertilizer.
कीचड़ का अपघटित कार्बनिक घटक प्रदूषक है और मृदा के सूक्ष्मजीव उर्वरक हैं।

B. Discharged agricultural slurry is pollutant and decomposed slurry in soil is fertilizer. ✓
प्रवाहित कृषि अपशिष्ट कीचड़ प्रदूषक है और मृदा में अपघटित कीचड़ उर्वरक है।

C. Sprayed slurry is pollutant and watercourses is fertilizer.
छिड़का गया कीचड़ प्रदूषक है और जलधाराएँ उर्वरक हैं।

D. None of the above expressions is correct in this context.
उपरोक्त में से कोई भी अभिव्यक्ति इस संदर्भ में सही नहीं है।

CORRECT ANSWER: B

YOUR ANSWER: B

💡 **EXPLANATION:**

.

.

3 **Question 3** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The law in many parts of the world increasingly restricts the discharge of agricultural slurry into watercourses. The simplest and often the most economically sound practice returns the material to the land as semisolid manure or as sprayed slurry. This dilutes its concentration in the environment to what might have occurred in a more primitive and sustainable types of agriculture and converts pollutant into fertilizer. Soil microoganisms decompose the organic components of sewage and slurry and most of the mineral nutrients become available to be absorbed again by the vegetation. The excess input of nutrients, both nitrogen and phosphorus – based, agricultural runoff (and human sewage) has caused many 'healthy' oligotrophic lakes (low nutrient concentrations, low plant productivity with abundant water weeds, and clear water) to change to eutrophic condition where high nutrient inputs lead to high phytoplankton productivity (sometimes dominated by bloom-forming toxic species). This makes the water turbid, eliminates large plants and, in the worst situations, leads to anoxia and fish kills; so called cultural eutrophication. Thus, important ecosystem services are lost, including the provisioning service of wild-caught fish and the cultural services associated with recreation.

The process of cultural eutrophication of lakes has been understood for some time. But only recently did scientists notice huge 'dead zones' in the oceans near river outlets., particularly those draining large catchment areas such as the Mississippi in North America and the Yangtze in China. The nutrient-enriched water flows through streams, rivers and lakes, and eventually to the estuary and ocean where the ecological impact may be huge, killing virtually all invertebrates and fish in areas up to 70,000 km2 in extent. More than 150 sea areas worldwide are now regularly starved of oxygen as a result of decomposition of algal blooms, fuelled particularly by nitrogen from agricultural runoff of fertilizers and sewage from large cities. Oceanic dead zones are typically associated with industrialized nations and usually lie off countries that subsidize their agriculture, encouraging farmers to increases productivity and use more fertilizer.

According to the passage, what are the effects of indiscriminate use of fertilizers?

1. Addition of pollutants to the soil and water.
2. Destruction of decomposer microorganism in soil.
3. Nutrient enrichment of water bodies.
4. Creation of algal blooms.

Select the correct answer from the codes given below:

परिच्छेद

विश्व के अनेक भागों में कानून कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर बढ़ती हुई पाबंदी लगाता है। सबसे सरल और प्रायः आर्थिक दृष्टि से सबसे उचित उपाय यह है कि इस पदार्थ को अर्धठोस खाद के रूप में या छिड़काव किए गए कीचड़ के रूप में भूमि पर वापस कर दिया जाए। इससे पर्यावरण में इसकी सांद्रता उस स्तर तक कम हो जाती है जो अधिक आदिम और सतत प्रकार की कृषि में हो सकती थी तथा प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित कर देता है। मृदा के सूक्ष्मजीव सीवेज और कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन करते हैं और अधिकांश खनिज पोषक तत्व पुनः वनस्पतियों द्वारा अवशोषित होने के लिए उपलब्ध हो जाते हैं।

पोषक तत्वों का अत्यधिक प्रवेश, विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस आधारित कृषि अपवाह (तथा मानव सीवेज), ने अनेक 'स्वस्थ' अल्पपोषी झीलों (कम पोषक तत्व सांद्रता, कम पादप उत्पादकता, प्रचुर जलीय खरपतवार और स्वच्छ जल) को सुपोषी अवस्था में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ अधिक पोषक तत्व प्रवाह उच्च फाइटोप्लैंकटन उत्पादकता (कभी-कभी प्रस्फुटन करने वाली विषैली प्रजातियों द्वारा प्रभुत्व) को जन्म देता है। इससे जल धुंधला हो जाता है, बड़े पौधों का लोप हो जाता है और अत्यंत खराब स्थितियों में ऑक्सीजन की कमी तथा मछलियों की मृत्यु होती है; जिसे सांस्कृतिक सुपोषण कहा जाता है। इस प्रकार महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएँ समाप्त हो जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से

पकड़ी जाने वाली मछलियों की आपूर्ति सेवा तथा मनोरंजन से संबंधित सांस्कृतिक सेवाएँ शामिल हैं।
झीलों के सांस्कृतिक सुपोषण की प्रक्रिया को कुछ समय से समझा गया है। परंतु हाल ही में वैज्ञानिकों ने नदियों के मुहानों के समीप महासागरों में विशाल 'मृत क्षेत्र' देखे, विशेषकर वे जो बड़े जलग्रहण क्षेत्रों को जलनिकास देते हैं, जैसे उत्तरी अमेरिका की मिसिसिपी और चीन की यांग्त्से। पोषक तत्वों से समृद्ध जल नालों, नदियों और झीलों से होकर बहता है और अंततः मुहाने तथा समुद्र तक पहुँचता है, जहाँ पारिस्थितिक प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकता है, जो लगभग सभी अकशेरुकी जीवों और मछलियों को नष्ट कर देता है, जो 70,000 वर्ग किमी तक के क्षेत्रों में फैला हो सकता है। विश्वभर में 150 से अधिक समुद्री क्षेत्र अब नियमित रूप से ऑक्सीजन की कमी से ग्रस्त हैं, जो शैवाल प्रस्फुटन के अपघटन के परिणामस्वरूप होता है, जिसे विशेष रूप से कृषि अपवाह से नाइट्रोजन तथा बड़े शहरों के सीवेज द्वारा प्रेरित किया जाता है। महासागरीय मृत क्षेत्र सामान्यतः औद्योगिक देशों से संबंधित होते हैं और प्रायः उन देशों के तटों के पास स्थित होते हैं जो अपनी कृषि को अनुदान देते हैं, जिससे किसान उत्पादकता बढ़ाने और अधिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।
गद्यांश के अनुसार, उर्वरकों के अंधाधुंध उपयोग के क्या प्रभाव हैं?
1. मृदा और जल में प्रदूषकों का समावेश।
2. मृदा में अपघटक सूक्ष्मजीवों का विनाश।
3. जल निकायों का पोषक तत्वों से समृद्ध होना।
4. शैवाल प्रस्फुटन का निर्माण।
नीचे दिए गए कूट से सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1, 2 and 3 only
केवल 1, 2 और 3

B. 1, 3 and 4 only ✓
केवल 1, 3 और 4

C. 2 and 4 only
केवल 2 और 4

D. 1, 2, 3 and 4
1, 2, 3 और 4

CORRECT ANSWER: B

YOUR ANSWER: B

💡 **EXPLANATION:**

.

4 **Question 4** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The law in many parts of the world increasingly restricts the discharge of agricultural slurry into watercourses. The simplest and often the most economically sound practice returns the material to the land as semisolid manure or as sprayed slurry. This dilutes its concentration in the environment to what might have occurred in a more primitive and sustainable types of agriculture and converts pollutant into fertilizer. Soil microoganisms decompose the organic components of sewage and slurry and most of the mineral nutrients become available to be absorbed again by the vegetation. The excess input of nutrients, both nitrogen and phosphorus – based, agricultural runoff (and human sewage) has caused many 'healthy' oligotrophic lakes (low nutrient concentrations, low plant productivity with abundant water weeds, and clear water) to change to eutrophic condition where high nutrient inputs lead to high phytoplankton productivity (sometimes dominated by bloom-forming toxic species). This makes the water turbid, eliminates large plants and, in the worst situations, leads to anoxia and fish kills; so called cultural eutrophication. Thus, important ecosystem services are lost, including the provisioning service of wild-caught fish and the cultural services associated with recreation.

The process of cultural eutrophication of lakes has been understood for some time. But only recently did scientists notice huge 'dead zones' in the oceans near river outlets., particularly those draining large catchment areas such as the Mississippi in North America and the Yangtze in China. The nutrient-enriched water flows through streams, rivers and lakes, and eventually to the estuary and ocean where the ecological impact may be huge, killing virtually all invertebrates and fish in areas up to 70,000 km2 in extent. More than 150 sea areas worldwide are now regularly starved of oxygen as a result of decomposition of algal blooms, fuelled particularly by nitrogen from agricultural runoff of fertilizers and sewage from large cities. Oceanic dead zones are typically associated with industrialized nations and usually lie off countries that subsidize their agriculture, encouraging farmers to increases productivity and use more fertilizer.

What is/are the characteristics of a water body with cultural eutrophication?

1. Loss of ecosystem services
2. Loss of flora and fauna
3. Loss of mineral nutrients

Select the correct answer using the code given below:

परिच्छेद

विश्व के अनेक भागों में कानून कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर बढ़ती हुई पाबंदी लगाता है। सबसे सरल और प्रायः आर्थिक दृष्टि से सबसे उचित उपाय यह है कि इस पदार्थ को अर्धठोस खाद के रूप में या छिड़काव किए गए कीचड़ के रूप में भूमि पर वापस कर दिया जाए। इससे पर्यावरण में इसकी सांद्रता उस स्तर तक कम हो जाती है जो अधिक आदिम और सतत प्रकार की कृषि में हो सकती थी तथा प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित कर देता है। मृदा के सूक्ष्मजीव सीवेज और कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन करते हैं और अधिकांश खनिज पोषक तत्व पुनः वनस्पतियों द्वारा अवशोषित होने के लिए उपलब्ध हो जाते हैं।

पोषक तत्वों का अत्यधिक प्रवेश, विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस आधारित कृषि अपवाह (तथा मानव सीवेज), ने अनेक 'स्वस्थ' अल्पपोषी झीलों (कम पोषक तत्व सांद्रता, कम पादप उत्पादकता, प्रचुर जलीय खरपतवार और स्वच्छ जल) को सुपोषी अवस्था में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ अधिक पोषक तत्व प्रवाह उच्च फाइटोप्लैंकटन उत्पादकता (कभी-कभी प्रस्फुटन करने वाली विषैली प्रजातियों द्वारा प्रभुत्व) को जन्म देता है। इससे जल धुंधला हो जाता है, बड़े पौधों का लोप हो जाता है और अत्यंत खराब स्थितियों में ऑक्सीजन की कमी तथा मछलियों की मृत्यु होती है; जिसे सांस्कृतिक सुपोषण कहा जाता है। इस प्रकार महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएँ समाप्त हो जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पकड़ी जाने वाली मछलियों की आपूर्ति सेवा तथा मनोरंजन से संबंधित सांस्कृतिक सेवाएँ शामिल हैं।

झीलों के सांस्कृतिक सुपोषण की प्रक्रिया को कुछ समय से समझा गया है। परंतु हाल ही में वैज्ञानिकों ने नदियों के मुहानों के समीप महासागरों में विशाल 'मृत क्षेत्र' देखे, विशेषकर वे जो बड़े जलग्रहण क्षेत्रों को जलनिकास देते हैं, जैसे उत्तरी अमेरिका की मिसिसिपी और चीन की यांग्त्से। पोषक तत्वों से समृद्ध जल नालों, नदियों और झीलों से होकर बहता है और अंततः मुहाने तथा समुद्र तक पहुँचता है, जहाँ पारिस्थितिक प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकता है, जो लगभग सभी अकशेरुकी जीवों और मछलियों को नष्ट कर देता है, जो 70,000 वर्ग किमी तक के क्षेत्रों में फैला हो सकता है। विश्वभर में 150 से अधिक समुद्री क्षेत्र अब नियमित रूप से ऑक्सीजन की कमी से ग्रस्त हैं, जो शैवाल प्रस्फुटन के अपघटन के परिणामस्वरूप होता है, जिसे विशेष रूप से कृषि अपवाह से नाइट्रोजन तथा बड़े शहरों के सीवेज द्वारा प्रेरित किया जाता है। महासागरीय मृत क्षेत्र सामान्यतः औद्योगिक देशों से संबंधित होते हैं और प्रायः उन देशों के तटों के पास स्थित होते हैं जो अपनी कृषि को अनुदान देते हैं, जिससे किसान उत्पादकता बढ़ाने और अधिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।

सांस्कृतिक सुपोषण वाले जल निकाय की क्या विशेषताएँ हैं?

1. पारितंत्र सेवाओं का ह्रास
2. वनस्पति और जीवों का ह्रास
3. खनिज पोषक तत्वों का ह्रास

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 1 and 2 only ✓
केवल 1 और 2

C. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

D. 1, 2 and 3
1, 2 और 3

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

5 **Question 5** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The law in many parts of the world increasingly restricts the discharge of agricultural slurry into watercourses. The simplest and often the most economically sound practice returns the material to the land as semisolid manure or as sprayed slurry. This dilutes its concentration in the environment to what might have occurred in a more primitive and sustainable types of agriculture and converts pollutant into fertilizer. Soil microoganisms decompose the organic components of sewage and slurry and most of the mineral nutrients become available to be absorbed again by the vegetation. The excess input of nutrients, both nitrogen and phosphorus – based, agricultural runoff (and human sewage) has caused many 'healthy' oligotrophic lakes (low nutrient concentrations, low plant productivity with abundant water weeds, and clear water) to change to eutrophic condition where high nutrient inputs lead to high phytoplankton productivity (sometimes dominated by bloom-forming toxic species). This makes the water turbid, eliminates large plants and, in the worst situations, leads to anoxia and fish kills; so called cultural eutrophication. Thus, important ecosystem services are lost, including the provisioning service of wild-caught fish and the cultural services associated with recreation.

The process of cultural eutrophication of lakes has been understood for some time. But only recently did scientists notice huge 'dead zones' in the oceans near river outlets., particularly those draining large catchment areas such as the Mississippi in North America and the Yangtze in China. The nutrient-enriched water flows through streams, rivers and lakes, and eventually to the estuary and ocean where the ecological impact may be huge, killing virtually all invertebrates and fish in areas up to 70,000 km2 in extent. More than 150 sea areas worldwide are now regularly starved of oxygen as a result of decomposition of algal blooms, fuelled particularly by nitrogen from agricultural runoff of fertilizers and sewage from large cities. Oceanic dead zones are typically associated with industrialized nations and usually lie off countries that subsidize their agriculture, encouraging farmers to increases productivity and use more fertilizer.

What is the central theme of this passage?

परिच्छेद

विश्व के अनेक भागों में कानून कृषि अपशिष्ट कीचड़ को जलधाराओं में प्रवाहित करने पर बढ़ती हुई पाबंदी लगाता है। सबसे सरल और प्रायः आर्थिक दृष्टि से सबसे उचित उपाय यह है कि इस पदार्थ को अर्धठोस खाद के रूप में या छिड़काव किए गए कीचड़ के रूप में भूमि पर वापस कर दिया जाए। इससे पर्यावरण में इसकी सांद्रता उस स्तर तक कम हो जाती है जो अधिक आदिम और सतत प्रकार की कृषि में हो सकती थी तथा प्रदूषक को उर्वरक में परिवर्तित कर देता है। मृदा के सूक्ष्मजीव सीवेज और कीचड़ के कार्बनिक घटकों का अपघटन करते हैं और अधिकांश खनिज पोषक तत्व पुनः वनस्पतियों द्वारा अवशोषित होने के लिए उपलब्ध हो जाते हैं।

पोषक तत्वों का अत्यधिक प्रवेश, विशेषकर नाइट्रोजन और फॉस्फोरस आधारित कृषि अपवाह (तथा मानव सीवेज), ने अनेक 'स्वस्थ' अल्पपोषी झीलों (कम पोषक तत्व सांद्रता, कम पादप उत्पादकता, प्रचुर जलीय खरपतवार और स्वच्छ जल) को सुपोषी अवस्था में परिवर्तित कर दिया है, जहाँ अधिक पोषक तत्व प्रवाह उच्च फाइटोप्लैंकटन उत्पादकता (कभी-कभी प्रस्फुटन करने वाली विषैली प्रजातियों द्वारा प्रभुत्व) को जन्म देता है। इससे जल धुंधला हो जाता है, बड़े पौधों का लोप हो जाता है और अत्यंत खराब स्थितियों में ऑक्सीजन की कमी तथा मछलियों की मृत्यु होती है; जिसे सांस्कृतिक सुपोषण कहा जाता है। इस प्रकार महत्त्वपूर्ण पारितंत्र सेवाएँ समाप्त हो जाती हैं, जिनमें प्राकृतिक रूप से पकड़ी जाने वाली मछलियों की आपूर्ति सेवा तथा मनोरंजन से संबंधित सांस्कृतिक सेवाएँ शामिल हैं।

झीलों के सांस्कृतिक सुपोषण की प्रक्रिया को कुछ समय से समझा गया है। परंतु हाल ही में वैज्ञानिकों ने नदियों के मुहानों के समीप महासागरों में विशाल 'मृत क्षेत्र' देखे, विशेषकर वे जो बड़े जलग्रहण क्षेत्रों को जलनिकास देते हैं, जैसे उत्तरी अमेरिका की मिसिसिपी और चीन की यांग्त्से। पोषक तत्वों से समृद्ध जल नालों, नदियों और झीलों से होकर बहता है और अंततः मुहाने तथा समुद्र तक पहुँचता है, जहाँ पारिस्थितिक प्रभाव अत्यंत व्यापक हो सकता है, जो

लगभग सभी अकशेरुकी जीवों और मछलियों को नष्ट कर देता है, जो 70,000 वर्ग किमी तक के क्षेत्रों में फैला हो सकता है। विश्वभर में 150 से अधिक समुद्री क्षेत्र अब नियमित रूप से ऑक्सीजन की कमी से ग्रस्त हैं, जो शैवाल प्रस्फुटन के अपघटन के परिणामस्वरूप होता है, जिसे विशेष रूप से कृषि अपवाह से नाइट्रोजन तथा बड़े शहरों के सीवेज द्वारा प्रेरित किया जाता है। महासागरीय मृत क्षेत्र सामान्यतः औद्योगिक देशों से संबंधित होते हैं और प्रायः उन देशों के तटों के पास स्थित होते हैं जो अपनी कृषि को अनुदान देते हैं, जिससे किसान उत्पादकता बढ़ाने और अधिक उर्वरकों का उपयोग करने के लिए प्रेरित होते हैं।
इस गद्यांश का केंद्रीय विषय क्या है?

OPTIONS:

A. Appropriate legislation is essential to protect the environment.
पर्यावरण की रक्षा के लिए उपयुक्त कानून आवश्यक है।

B. Modern agriculture is responsible for the destruction of environment.
आधुनिक कृषि पर्यावरण के विनाश के लिए उत्तरदायी है।

C. Improper waste disposal from agriculture can destroy the aquatic ecosystems. ✓
कृषि से उत्पन्न अपशिष्ट का अनुचित निपटान जलीय पारितंत्रों को नष्ट कर सकता है।

D. Use of chemical fertilizers is indesirable in agriculture.
कृषि में रासायनिक उर्वरकों का उपयोग अवांछनीय है।

CORRECT ANSWER: C

YOUR ANSWER: C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

6

Question 6 🧠 Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

An equilateral triangular plate is to be cut into n number of identical small equilateral triangular plates. Which of the following can be possible value of n?

एक समभुज त्रिभुजाकार प्लेट को n संख्या के समान छोटे समभुज त्रिभुजाकार प्लेटों में काटा जाना है। निम्नलिखित में से n का कौन-सा मान संभव हो सकता है?

OPTIONS:

A. 196

196

B. 216

216

C. 256 ✓

256

D. 296

296

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

7 **Question 7** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

P, Q, R, S and T reside in a five-storeyed (Ground + 4) building, and each of them resides on a separate floor.
Further:
1. T does not reside on the topmost floor.
2. Q does not reside on the ground floor.
3. S resides on one storey above that of P and one storey below that of R. To know as the which one of the five persons resides on the ground floor which of the above statements are sufficient/ insufficient?

P, Q, R, S और T एक पाँच-मंजिला (भूतल + 4) भवन में रहते हैं, और प्रत्येक अलग-अलग मंजिल पर रहता है।
आगे:
1. T सबसे ऊपरी मंजिल पर नहीं रहता है।
2. Q भूतल पर नहीं रहता है।
3. S, P से एक मंजिल ऊपर और R से एक मंजिल नीचे रहता है। यह जानने के लिए कि पाँच व्यक्तियों में से कौन भूतल पर रहता है, उपरोक्त में से कौन-से कथन पर्याप्त/अपर्याप्त हैं?

OPTIONS:

A. 1 and 3 are sufficient
1 और 3 पर्याप्त हैं

B. 2 and 3 are sufficient
2 और 3 पर्याप्त हैं

C. 1, 2 and 3 are sufficient
1, 2 और 3 पर्याप्त हैं

D. 1, 2 and 3 are insufficient ✓
1, 2 और 3 अपर्याप्त हैं

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

8 **Question 8** 🧠 Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A box contains five sets of balls while there are 3 balls in each set. Each set of balls has one color which is different from every other set, what is the least number of balls that must be removed from the box in order to claim with certainty that a pair of balls of the same colour has been removed?

एक डिब्बे में गेंदों के पाँच समूह हैं, जबकि प्रत्येक समूह में 3 गेंदें हैं। प्रत्येक समूह की गेंदों का एक रंग है जो प्रत्येक अन्य समूह से भिन्न है, यह निश्चित रूप से दावा करने के लिए कि समान रंग की गेंदों का एक युग्म निकाला गया है, डिब्बे से कम-से-कम कितनी गेंदें निकाली जानी चाहिए?

OPTIONS:

A. 6 ✓

6

B. 7

7

C. 8

8

D. 9

9

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

9 **Question 9** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

In an office, the number of persons who take tea is twice the number of persons who take only coffee. The number of persons who take coffee is twice the number of persons who take only tea.
Consider the following statement:
1. The sum of the number of persons who take either tea or coffee or both is four times the number of persons who take both coffee and tea.
2. The sum of the number of persons who take only coffee and those who take only tea is twice the number of persons who take both tea and coffee.
Which of the statement(s) given above is/are correct?

एक कार्यालय में, चाय लेने वाले व्यक्तियों की संख्या केवल कॉफी लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का दोगुना है। कॉफी लेने वाले व्यक्तियों की संख्या केवल चाय लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का दोगुना है।
निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:
1. केवल चाय या केवल कॉफी या दोनों लेने वाले व्यक्तियों की कुल संख्या, दोनों कॉफी और चाय लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का चार गुना है।
2. केवल कॉफी लेने वाले और केवल चाय लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का योग, दोनों चाय और कॉफी लेने वाले व्यक्तियों की संख्या का दोगुना है।
उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 only ✓
केवल 2

C. Both 1 and 2
1 और 2 दोनों

D. Neither 1 nor 2
न तो 1 न ही 2

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

10 **Question 10** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

Each of the six faces of a cube is numbered by one of the digits from 1 to 6. This cube is shown in its four different positions in the figure I, II, III, and IV.

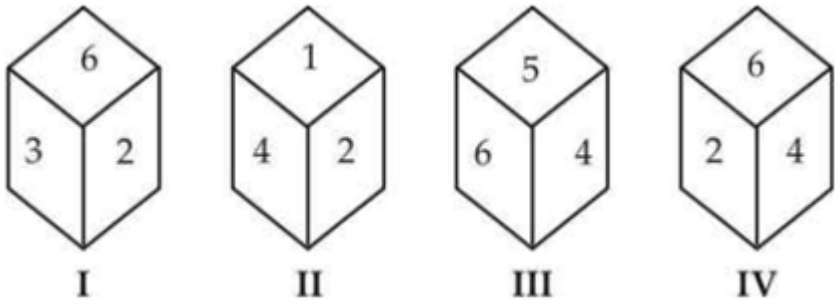

Consider the following statements.

1. Figures II and III are sufficient to known as to which face is opposite to the face numbered 6.
2. figures II and III are sufficient to known as to which face is opposite to the face numbered 4.
3. Figures I and IV are sufficient to known as to which face is opposite to the face numbered 3.

Which of the statements given above are correct?

एक घन के प्रत्येक छह फलक पर 1 से 6 तक के अंकों में से एक अंक अंकित है। इस घन को चित्र I, II, III और IV में चार भिन्न स्थितियों में दिखाया गया है।

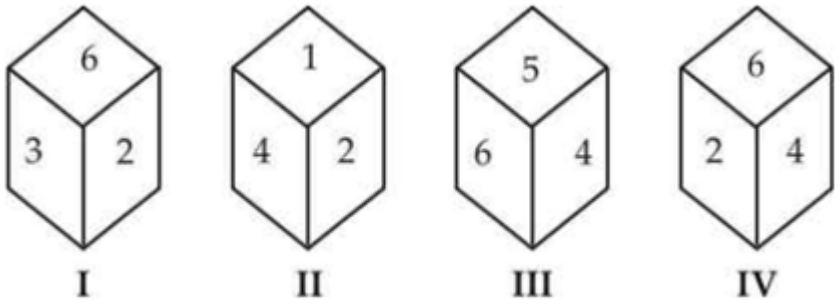

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए।

1. चित्र II और III यह ज्ञात करने के लिए पर्याप्त हैं कि 6 अंकित फलक के विपरीत कौन-सा फलक है।
2. चित्र II और III यह ज्ञात करने के लिए पर्याप्त हैं कि 4 अंकित फलक के विपरीत कौन-सा फलक है।
3. चित्र I और IV यह ज्ञात करने के लिए पर्याप्त हैं कि 3 अंकित फलक के विपरीत कौन-सा फलक है।

उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

OPTIONS:

A. 1 and 3 only
केवल 1 और 3 ✗

B. 1 and 2 only
केवल 1 और 2

C. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

D. 1, 2 and 3
1, 2 और 3 ✓

CORRECT ANSWER:

D

YOUR ANSWER:

A

💡 EXPLANATION:

. .

11 **Question 11** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Climate change poses potentially devastating effects on India's agriculture. While the overall parameters of climate change are increasingly accepted - a 1°C average temperature increase over the next 30 years, sea level rise of less than 10 cm in the same period, and regional monsoon variations and corresponding droughts - the impacts in India are likely to be quite site and crop specific. Some crops may respond favourably to the changing conditions, others may not. This emphasizes the need to promote agricultural research and create maximum flexibility in the system to permit adaptations.

The key ingredient for "drought proofing" is the managed recharge of aquifers. To ensure continued yields of important staple crops (e.g. wheat), it may also be necessary to shift the locations where these crops are grown, in response to temperature changes as well as to water availability. The latter will be a key factor in making long term investment decisions.

For example, water runoff from the Himalayas is predicted to increase over the next 30 years as glaciers melt, but then decline substantially thereafter. It will be critical to provide incentives to plan for these large-scale shifts in agro-ecological conditions.

India needs to make long term investment in research and development in agriculture. India is likely to experience changed weather patterns in future.

Consider the following statements :

Climate change may force the shifting of locations of the existing crops due to

1. melting of glaciers.
2. water availability and temperature suitability at other locations.
3. poor productivity of crops.
4. wider adaptability of crop plants.

Which of the statements given above are correct?

परिच्छेद

जलवायु परिवर्तन भारत की कृषि पर संभावित रूप से विनाशकारी प्रभाव डालता है। जबकि जलवायु परिवर्तन के समग्र मानकों को अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है—अगले 30 वर्षों में औसत तापमान में 1°C की वृद्धि, इसी अवधि में समुद्र स्तर में 10 सेमी से कम वृद्धि, तथा क्षेत्रीय मानसून में परिवर्तन और उससे संबंधित सूखे—भारत में इसके प्रभाव स्थल और फसल-विशिष्ट होने की संभावना है। कुछ फसलें बदलती परिस्थितियों के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया दे सकती हैं, जबकि अन्य नहीं। यह कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रणाली में अधिकतम लचीलापन उत्पन्न करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है ताकि अनुकूलन संभव हो सके।

"सूखा-रोधी" बनाने का मुख्य घटक जलभृतों का प्रबंधित पुनर्भरण है। महत्वपूर्ण मुख्य फसलों (जैसे गेहूँ) की निरंतर उपज सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक हो सकता है कि तापमान में परिवर्तन तथा जल उपलब्धता के अनुसार उन स्थानों को बदला जाए जहाँ ये फसलें उगाई जाती हैं। दीर्घकालिक निवेश निर्णय लेने में जल उपलब्धता एक प्रमुख कारक होगी।

उदाहरण के लिए, हिमालय से जल अपवाह अगले 30 वर्षों में हिमनदों के पिघलने के कारण बढ़ने का अनुमान है, परंतु उसके बाद इसमें पर्याप्त कमी आएगी। इन बड़े पैमाने पर कृषि-पारिस्थितिक परिवर्तनों की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत को कृषि में अनुसंधान और विकास में दीर्घकालिक निवेश करने की आवश्यकता है। भविष्य में भारत में मौसम के स्वरूप में परिवर्तन होने की संभावना है।

निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

जलवायु परिवर्तन के कारण वर्तमान फसलों के स्थानों का परिवर्तन निम्नलिखित कारणों से हो सकता है—

1. हिमनदों का पिघलना।
2. अन्य स्थानों पर जल उपलब्धता और तापमान की उपयुक्तता।

3. फसलों की कम उत्पादकता।
4. फसल पौधों की व्यापक अनुकूलन क्षमता।
उपरोक्त में से कौन-से कथन सही हैं?

OPTIONS:

A. 1, 2 and 3 ✓
1, 2 और 3

B. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

C. 1 and 4 only
केवल 1 और 4

D. 1, 2, 3 and 4
1, 2, 3 और 4

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

12 **Question 12** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Climate change poses potentially devastating effects on India's agriculture. While the overall parameters of climate change are increasingly accepted - a 1°C average temperature increase over the next 30 years, sea level rise of less than 10 cm in the same period, and regional monsoon variations and corresponding droughts - the impacts in India are likely to be quite site and crop specific. Some crops may respond favourably to the changing conditions, others may not. This emphasizes the need to promote agricultural research and create maximum flexibility in the system to permit adaptations.

The key ingredient for "drought proofing" is the managed recharge of aquifers. To ensure continued yields of important staple crops (e.g. wheat), it may also be necessary to shift the locations where these crops are grown, in response to temperature changes as well as to water availability. The latter will be a key factor in making long term investment decisions.

For example, water runoff from the Himalayas is predicted to increase over the next 30 years as glaciers melt, but then decline substantially thereafter. It will be critical to provide incentives to plan for these large-scale shifts in agro-ecological conditions.

India needs to make long term investment in research and development in agriculture. India is likely to experience changed weather patterns in future.

According to the passage, why is it important to promote agricultural research in India?

परिच्छेद

जलवायु परिवर्तन भारत की कृषि पर संभावित रूप से विनाशकारी प्रभाव डालता है। जबकि जलवायु परिवर्तन के समग्र मानकों को अब व्यापक रूप से स्वीकार किया जा रहा है—अगले 30 वर्षों में औसत तापमान में 1°C की वृद्धि, इसी अवधि में समुद्र स्तर में 10 सेमी से कम वृद्धि, तथा क्षेत्रीय मानसून में परिवर्तन और उससे संबंधित सूखे—भारत में इसके प्रभाव स्थल और फसल-विशिष्ट होने की संभावना है। कुछ फसलें बदलती परिस्थितियों के प्रति अनुकूल प्रतिक्रिया दे सकती हैं, जबकि अन्य नहीं। यह कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देने और प्रणाली में अधिकतम लचीलापन उत्पन्न करने की आवश्यकता को रेखांकित करता है ताकि अनुकूलन संभव हो सके।

"सूखा-रोधी" बनाने का मुख्य घटक जलभृतों का प्रबंधित पुनर्भरण है। महत्वपूर्ण मुख्य फसलों (जैसे गेहूँ) की निरंतर उपज सुनिश्चित करने के लिए यह भी आवश्यक हो सकता है कि तापमान में परिवर्तन तथा जल उपलब्धता के अनुसार उन स्थानों को बदला जाए जहाँ ये फसलें उगाई जाती हैं। दीर्घकालिक निवेश निर्णय लेने में जल उपलब्धता एक प्रमुख कारक होगी।

उदाहरण के लिए, हिमालय से जल अपवाह अगले 30 वर्षों में हिमनदों के पिघलने के कारण बढ़ने का अनुमान है, परंतु उसके बाद इसमें पर्याप्त कमी आएगी। इन बड़े पैमाने पर कृषि-पारिस्थितिक परिवर्तनों की योजना बनाने के लिए प्रोत्साहन प्रदान करना अत्यंत आवश्यक होगा।

भारत को कृषि में अनुसंधान और विकास में दीर्घकालिक निवेश करने की आवश्यकता है। भविष्य में भारत में मौसम के स्वरूप में परिवर्तन होने की संभावना है।

गद्यांश के अनुसार, भारत में कृषि अनुसंधान को बढ़ावा देना क्यों आवश्यक है?

OPTIONS:

A. To predict variations in monsoon patterns and to manage water resources

मानसून पैटर्न में परिवर्तन का पूर्वानुमान करने और जल संसाधनों का प्रबंधन करने के लिए

B. To make long term investment decisions for economic growth

आर्थिक विकास के लिए दीर्घकालिक निवेश निर्णय लेने के लिए

C. To facilitate wider adaptability of crops ✓

फसलों की व्यापक अनुकूलन क्षमता को सुगम बनाने के लिए

D. To predict drought conditions and to recharge aquifers

सूखे की स्थिति का पूर्वानुमान करने और जलभृतों का पुनर्भरण करने के लिए

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

13 **Question 13** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A watch showed a time of fourteen minutes past nine (9 hrs and 14 minutes). The positions of the hour-hand and the minute hand of the watch are exactly interchanged. The new time shown by the watch is closest to which one of the following?

एक घड़ी में समय नौ बजकर चौदह मिनट (9 घंटे और 14 मिनट) दर्शाया गया है। घड़ी की घंटे की सुई और मिनट की सुई की स्थितियाँ ठीक परस्पर बदल दी जाती हैं। घड़ी द्वारा दर्शाया गया नया समय निम्नलिखित में से किसके सबसे निकट होगा?

OPTIONS:

A. Twelve minutes to three
तीन बजने में बारह मिनट शेष

B. Thirteen minutes to three
तीन बजने में तेरह मिनट शेष

C. Fourteen minutes to three ✓
तीन बजने में चौदह मिनट शेष

D. Fifteen minutes to three
तीन बजने में पंद्रह मिनट शेष

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

14 **Question 14** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

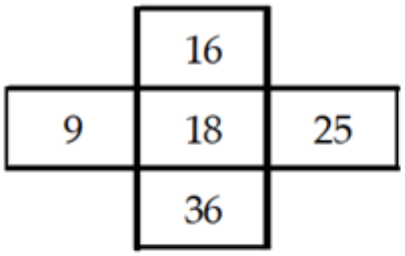

(I)

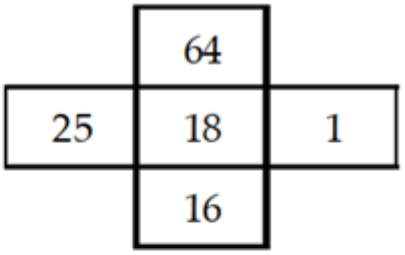

(II)

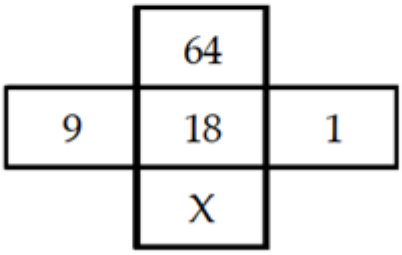

(III)

What is the value of X in figure III?

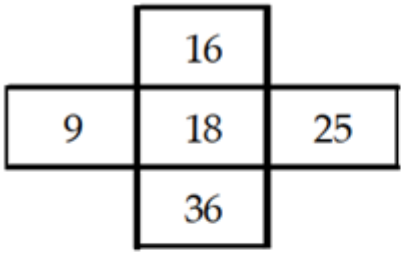

(I)

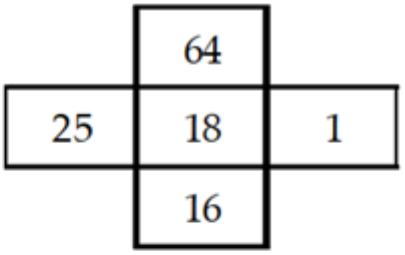

(II)

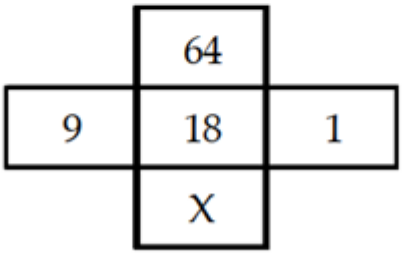

(III)

चित्र III में X का मान क्या है?

OPTIONS:

A. 4
4

B. 16
16

C. 25
25

D. 36
36 ✓

CORRECT ANSWER:

D

YOUR ANSWER:

D

💡 EXPLANATION:

. .

15 **Question 15** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Six faces of a cube are numbered from 1 to 6, each face carrying one different number. Further,
1. The face 2 is opposite to the face 6.
2. The face 1 is opposite to the face 5.
3. The face 3 is between the face 1 and the face 5
4. The face 4 is adjacent to the face 2.
Which one of the following is correct?

एक घन के छह फलक 1 से 6 तक क्रमांकित हैं, प्रत्येक फलक पर एक भिन्न संख्या अंकित है। आगे,
1. फलक 2, फलक 6 के विपरीत है।
2. फलक 1, फलक 5 के विपरीत है।
3. फलक 3, फलक 1 और फलक 5 के बीच है।
4. फलक 4, फलक 2 के समीपस्थ है।
निम्नलिखित में से कौन-सा सही है?

OPTIONS:

A. The face 2 is adjacent to the face 3 ✓
फलक 2, फलक 3 के समीपस्थ है

B. The face 6 is between the face 2 and the face 4
फलक 6, फलक 2 और फलक 4 के बीच है

C. The face 1 is between the face 5 and the face 6
फलक 1, फलक 5 और फलक 6 के बीच है

D. None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

16 **Question 16** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

How many different triangles are there in the figure shown below?

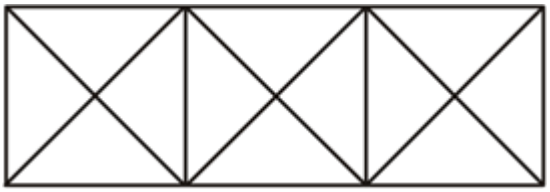

नीचे दिए गए चित्र में कितने भिन्न त्रिभुज हैं?

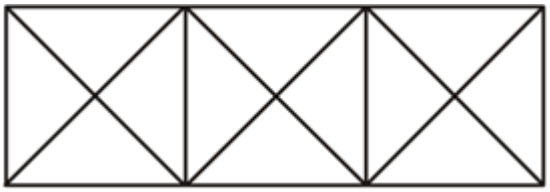

OPTIONS:

A. 28
28 ✓

B. 24
24

C. 20
20

D. 16
16

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

. .

17 **Question 17** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Six persons A, B, C, D, E and F are standing in a row. C and D are standing close to each other alongside E. B is standing beside A only. A is fourth from F. Who are standing on the extremes?

छह व्यक्ति A, B, C, D, E और F एक पंक्ति में खड़े हैं। C और D, E के साथ एक-दूसरे के पास खड़े हैं। B केवल A के बगल में खड़ा है। A, F से चौथे स्थान पर है। सिरों पर कौन खड़े हैं?

OPTIONS:

A. A and F
A और F

B. B and D
B और D

C. B and F ✓
B और F

D. None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

18 **Question 18** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

Left pan of a faulty weight weighs 100 gram more than its right pan. A shopkeeper keeps the weight measure in the left pan while buying goods but keeps it in the right pan while selling his goods. He uses only 1 kg weight measure. If he sells his goods at the listed cost price, what is his gain?

एक दोषपूर्ण तराजू के बाएँ पलड़े का भार उसके दाएँ पलड़े से 100 ग्राम अधिक है। एक दुकानदार वस्तुएँ खरीदते समय भार-माप को बाएँ पलड़े में रखता है, परन्तु अपनी वस्तुएँ बेचते समय उसे दाएँ पलड़े में रखता है। वह केवल 1 किलोग्राम के भार-माप का उपयोग करता है। यदि वह अपनी वस्तुएँ सूचीबद्ध लागत मूल्य पर बेचता है, तो उसका लाभ क्या है?

OPTIONS:

A. 200/11 % ✓
200/11%

B. 100/11 %
100/11%

C. 1000/9 %
1000/9%

D. 200/9% ✗
200/9%

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

19 **Question 19** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

PASSAGE

Net profits are only 2.2% of their total assets for central public sector undertakings, lower than for the private corporate sector. While the public sector or the State-led entrepreneurship played an important role in triggering India's industrialization, our evolving development needs, comparatively less-than-satisfactory performance of the public sector enterprises, the maturing of our private sector, a much larger social base now available for expanding entrepreneurship and the growing institutional capabilities to enforce competition policies would suggest that the time has come to review the role of public sector.

What should the portfolio composition of the government be? It should not remain static all times. The airline industry works well as a purely private affair. At the opposite end, rural roads, whose sparse traffic makes tolling unviable, have to be on the balance-sheet of the State. If the government did not own rural roads, they would not exist. Similarly, public health capital in our towns and cities will need to come from the public sector. Equally, preservation and improvement of forest cover will have to be a new priority for the public sector assets.

Take the example of steel. With near-zero tariffs, India is a globally competitive market for the metal. Indian firms export steel into the global market, which demonstrates there is no gap in technology. Indian companies are buying up global steel companies, which shows there is no gap in capital availability. Under these conditions, private ownership works best.

Private ownership is clearly desirable in regulated industries, ranging from finance to infrastructure, where a government agency performs the function of regulation and multiple competing firms are located in the private sector. Here, the simple and clean solution - government as the umpire and the private sector as the players is what works best. In many of these industries, we have a legacy of government ownership, where productivity tends to be lower, fear of bankruptcy is absent, and the risk of asking for money from the tax payer is ever present. There is also the conflict of interest between government as an owner and as the regulator. The formulation and implementation of competition policy will be more vigorous and fair if government companies are out of action.

According to the passage, what is/are the reason/reasons for saying that the time has come to review the role of public sector?

1. Now public sector has lost its relevance in the industrialization process.
2. Public sector does not perform satisfactorily.
3. Entrepreneurship in private sector is expanding.
4. Effective competition policies are available now.

Which of the statements given above is/are correct in the given context?

परिच्छेद

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए शुद्ध लाभ उनके कुल परिसंपत्तियों का केवल 2.2% है, जो निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में कम है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्र या राज्य-नेतृत्व वाला उद्यमिता भारत के औद्योगिकीकरण को प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, हमारी विकसित होती विकास आवश्यकताएँ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का अपेक्षाकृत कम संतोषजनक प्रदर्शन, हमारे निजी क्षेत्र का परिपक्व होना, उद्यमिता के विस्तार के लिए अब उपलब्ध व्यापक सामाजिक आधार तथा प्रतिस्पर्धा नीतियों को लागू करने की बढ़ती संस्थागत क्षमताएँ यह संकेत देती हैं कि अब सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका की समीक्षा करने का समय आ गया है।

सरकार के पोर्टफोलियो की संरचना क्या होनी चाहिए? यह हर समय स्थिर नहीं रहनी चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णतः निजी क्षेत्र के रूप में अच्छी तरह कार्य करता है। इसके विपरीत, ग्रामीण सड़कों का क्षेत्र, जहाँ कम यातायात के कारण टोल वसूली संभव नहीं है, राज्य के लेखे में होना चाहिए। यदि सरकार ग्रामीण सड़कों की स्वामी न होती, तो वे अस्तित्व में नहीं होतीं। इसी प्रकार, हमारे नगरों और शहरों में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना सार्वजनिक क्षेत्र से ही आनी होगी।

समान रूप से, वन आवरण का संरक्षण और सुधार सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों के लिए एक नई प्राथमिकता होना चाहिए।
इस्पात का उदाहरण लें। लगभग शून्य शुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाज़ार है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक बाज़ार में इस्पात का निर्यात करती हैं, जो दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी में कोई कमी नहीं है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक इस्पात कंपनियों का अधिग्रहण कर रही हैं, जो यह दर्शाता है कि पूँजी की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है। इन परिस्थितियों में, निजी स्वामित्व सर्वोत्तम कार्य करता है।
विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर अवसंरचना तक, जहाँ एक सरकारी एजेंसी विनियमन का कार्य करती है और अनेक प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ निजी क्षेत्र में होती हैं, निजी स्वामित्व स्पष्ट रूप से वांछनीय है। यहाँ सरल और स्पष्ट समाधान —सरकार अम्पायर के रूप में और निजी क्षेत्र खिलाड़ी के रूप में—सबसे अच्छा कार्य करता है। इन उद्योगों में से अनेक में, हमारे पास सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहाँ उत्पादकता कम होती है, दिवालियापन का भय अनुपस्थित होता है, और करदाताओं से धन माँगने का जोखिम सदैव बना रहता है। इसके अतिरिक्त, सरकार के स्वामी और नियामक दोनों होने के बीच हितों का टकराव भी होता है। यदि सरकारी कंपनियाँ बाहर हो जाएँ, तो प्रतिस्पर्धा नीति का निर्माण और कार्यान्वयन अधिक सशक्त और निष्पक्ष होगा।
गद्यांश के अनुसार, यह कहने के लिए कि सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका की समीक्षा करने का समय आ गया है, निम्नलिखित में से कौन-से कारण हैं?
1. अब सार्वजनिक क्षेत्र ने औद्योगिकीकरण की प्रक्रिया में अपनी प्रासंगिकता खो दी है।
2. सार्वजनिक क्षेत्र का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है।
3. निजी क्षेत्र में उद्यमिता का विस्तार हो रहा है।
4. प्रभावी प्रतिस्पर्धा नीतियाँ अब उपलब्ध हैं।
दिए गए संदर्भ में उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

OPTIONS:

A. 1and 3 only
केवल 1 और 3

B. 2 only
केवल 2

C. 2, 3 and 4 only ✓
केवल 2, 3 और 4

D. 1, 2, 3 and 4 ✗
1, 2, 3 और 4

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

20 **Question 20** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Net profits are only 2.2% of their total assets for central public sector undertakings, lower than for the private corporate sector. While the public sector or the State-led entrepreneurship played an important role in triggering India's industrialization, our evolving development needs, comparatively less-than-satisfactory performance of the public sector enterprises, the maturing of our private sector, a much larger social base now available for expanding entrepreneurship and the growing institutional capabilities to enforce competition policies would suggest that the time has come to review the role of public sector.

What should the portfolio composition of the government be? It should not remain static all times. The airline industry works well as a purely private affair. At the opposite end, rural roads, whose sparse traffic makes tolling unviable, have to be on the balance-sheet of the State. If the government did not own rural roads, they would not exist. Similarly, public health capital in our towns and cities will need to come from the public sector. Equally, preservation and improvement of forest cover will have to be a new priority for the public sector assets.

Take the example of steel. With near-zero tariffs, India is a globally competitive market for the metal. Indian firms export steel into the global market, which demonstrates there is no gap in technology. Indian companies are buying up global steel companies, which shows there is no gap in capital availability. Under these conditions, private ownership works best.

Private ownership is clearly desirable in regulated industries, ranging from finance to infrastructure, where a government agency performs the function of regulation and multiple competing firms are located in the private sector. Here, the simple and clean solution - government as the umpire and the private sector as the players is what works best. In many of these industries, we have a legacy of government ownership, where productivity tends to be lower, fear of bankruptcy is absent, and the risk of asking for money from the tax payer is ever present. There is also the conflict of interest between government as an owner and as the regulator. The formulation and implementation of competition policy will be more vigorous and fair if government companies are out of action.

According to the passage, rural roads should be in the domain of public sector only. Why?

परिच्छेद

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए शुद्ध लाभ उनके कुल परिसंपत्तियों का केवल 2.2% है, जो निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में कम है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्र या राज्य-नेतृत्व वाला उद्यमिता भारत के औद्योगिकीकरण को प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, हमारी विकसित होती विकास आवश्यकताएँ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का अपेक्षाकृत कम संतोषजनक प्रदर्शन, हमारे निजी क्षेत्र का परिपक्व होना, उद्यमिता के विस्तार के लिए अब उपलब्ध व्यापक सामाजिक आधार तथा प्रतिस्पर्धा नीतियों को लागू करने की बढ़ती संस्थागत क्षमताएँ यह संकेत देती हैं कि अब सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका की समीक्षा करने का समय आ गया है।

सरकार के पोर्टफोलियो की संरचना क्या होनी चाहिए? यह हर समय स्थिर नहीं रहनी चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णतः निजी क्षेत्र के रूप में अच्छी तरह कार्य करता है। इसके विपरीत, ग्रामीण सड़कों का क्षेत्र, जहाँ कम यातायात के कारण टोल वसूली संभव नहीं है, राज्य के लेखे में होना चाहिए। यदि सरकार ग्रामीण सड़कों की स्वामी न होती, तो वे अस्तित्व में नहीं होतीं। इसी प्रकार, हमारे नगरों और शहरों में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना सार्वजनिक क्षेत्र से ही आनी होगी। समान रूप से, वन आवरण का संरक्षण और सुधार सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों के लिए एक नई प्राथमिकता होना चाहिए।

इस्पात का उदाहरण लें। लगभग शून्य शुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाज़ार है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक बाज़ार में इस्पात का निर्यात करती हैं, जो दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी में कोई कमी नहीं है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक इस्पात कंपनियों का अधिग्रहण कर रही हैं, जो यह दर्शाता है कि पूँजी की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है। इन परिस्थितियों में, निजी स्वामित्व सर्वोत्तम कार्य करता है।

विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर अवसंरचना तक, जहाँ एक सरकारी एजेंसी विनियमन का कार्य करती है और अनेक प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ निजी क्षेत्र में होती हैं, निजी स्वामित्व स्पष्ट रूप से वांछनीय है। यहाँ सरल और स्पष्ट समाधान —सरकार अम्पायर के रूप में और निजी क्षेत्र खिलाड़ी के रूप में—सबसे अच्छा कार्य करता है। इन उद्योगों में से अनेक में, हमारे पास सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहाँ उत्पादकता कम होती है, दिवालियापन का भय अनुपस्थित होता है, और करदाताओं से धन माँगने का जोखिम सदैव बना रहता है। इसके अतिरिक्त, सरकार के स्वामी और नियामक दोनों होने के बीच हितों का टकराव भी होता है। यदि सरकारी कंपनियाँ बाहर हो जाएँ, तो प्रतिस्पर्धा नीति का निर्माण और कार्यान्वयन अधिक सशक्त और निष्पक्ष होगा।
गद्यांश के अनुसार, ग्रामीण सड़कें केवल सार्वजनिक क्षेत्र के अधीन क्यों होनी चाहिए?

OPTIONS:

A. Rural development work is the domain of government only.
ग्रामीण विकास कार्य केवल सरकार का क्षेत्र है।

B. Private sector cannot have monetary gains in this. ✓
निजी क्षेत्र को इसमें आर्थिक लाभ नहीं हो सकता।

C. Government takes money from tax payers and hence it is the responsibility of government only.
सरकार करदाताओं से धन लेती है, इसलिए यह केवल सरकार की जिम्मेदारी है।

D. Private sector need not have any social responsibility.
निजी क्षेत्र की कोई सामाजिक जिम्मेदारी नहीं होती।

CORRECT ANSWER: B

YOUR ANSWER: B

💡 **EXPLANATION:**

.

.

21 **Question 21** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Net profits are only 2.2% of their total assets for central public sector undertakings, lower than for the private corporate sector. While the public sector or the State-led entrepreneurship played an important role in triggering India's industrialization, our evolving development needs, comparatively less-than-satisfactory performance of the public sector enterprises, the maturing of our private sector, a much larger social base now available for expanding entrepreneurship and the growing institutional capabilities to enforce competition policies would suggest that the time has come to review the role of public sector.

What should the portfolio composition of the government be? It should not remain static all times. The airline industry works well as a purely private affair. At the opposite end, rural roads, whose sparse traffic makes tolling unviable, have to be on the balance-sheet of the State. If the government did not own rural roads, they would not exist. Similarly, public health capital in our towns and cities will need to come from the public sector. Equally, preservation and improvement of forest cover will have to be a new priority for the public sector assets.

Take the example of steel. With near-zero tariffs, India is a globally competitive market for the metal. Indian firms export steel into the global market, which demonstrates there is no gap in technology. Indian companies are buying up global steel companies, which shows there is no gap in capital availability. Under these conditions, private ownership works best.

Private ownership is clearly desirable in regulated industries, ranging from finance to infrastructure, where a government agency performs the function of regulation and multiple competing firms are located in the private sector. Here, the simple and clean solution - government as the umpire and the private sector as the players is what works best. In many of these industries, we have a legacy of government ownership, where productivity tends to be lower, fear of bankruptcy is absent, and the risk of asking for money from the tax payer is ever present. There is also the conflict of interest between government as an owner and as the regulator. The formulation and implementation of competition policy will be more vigorous and fair if government companies are out of action.

The portfolio composition of the government refers to

परिच्छेद

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए शुद्ध लाभ उनके कुल परिसंपत्तियों का केवल 2.2% है, जो निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में कम है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्र या राज्य-नेतृत्व वाला उद्यमिता भारत के औद्योगिकीकरण को प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, हमारी विकसित होती विकास आवश्यकताएँ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का अपेक्षाकृत कम संतोषजनक प्रदर्शन, हमारे निजी क्षेत्र का परिपक्व होना, उद्यमिता के विस्तार के लिए अब उपलब्ध व्यापक सामाजिक आधार तथा प्रतिस्पर्धा नीतियों को लागू करने की बढ़ती संस्थागत क्षमताएँ यह संकेत देती हैं कि अब सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका की समीक्षा करने का समय आ गया है।

सरकार के पोर्टफोलियो की संरचना क्या होनी चाहिए? यह हर समय स्थिर नहीं रहनी चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णतः निजी क्षेत्र के रूप में अच्छी तरह कार्य करता है। इसके विपरीत, ग्रामीण सड़कों का क्षेत्र, जहाँ कम यातायात के कारण टोल वसूली संभव नहीं है, राज्य के लेखे में होना चाहिए। यदि सरकार ग्रामीण सड़कों की स्वामी न होती, तो वे अस्तित्व में नहीं होतीं। इसी प्रकार, हमारे नगरों और शहरों में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना सार्वजनिक क्षेत्र से ही आनी होगी। समान रूप से, वन आवरण का संरक्षण और सुधार सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों के लिए एक नई प्राथमिकता होना चाहिए।

इस्पात का उदाहरण लें। लगभग शून्य शुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाज़ार है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक बाज़ार में इस्पात का निर्यात करती हैं, जो दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी में कोई कमी नहीं है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक इस्पात कंपनियों का अधिग्रहण कर रही हैं, जो यह दर्शाता है कि पूँजी की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है। इन परिस्थितियों में, निजी स्वामित्व सर्वोत्तम कार्य करता है।

विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर अवसंरचना तक, जहाँ एक सरकारी एजेंसी विनियमन का कार्य करती है और अनेक प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ निजी क्षेत्र में होती हैं, निजी स्वामित्व स्पष्ट रूप से वांछनीय है। यहाँ सरल और स्पष्ट समाधान —सरकार अम्पायर के रूप में और निजी क्षेत्र खिलाड़ी के रूप में—सबसे अच्छा कार्य करता है। इन उद्योगों में से अनेक में, हमारे पास सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहाँ उत्पादकता कम होती है, दिवालियापन का भय अनुपस्थित होता है, और करदाताओं से धन माँगने का जोखिम सदैव बना रहता है। इसके अतिरिक्त, सरकार के स्वामी और नियामक दोनों होने के बीच हितों का टकराव भी होता है। यदि सरकारी कंपनियाँ बाहर हो जाएँ, तो प्रतिस्पर्धा नीति का निर्माण और कार्यान्वयन अधिक सशक्त और निष्पक्ष होगा।
सरकार के पोर्टफोलियो की संरचना से तात्पर्य है

OPTIONS:

A. Public sector assets quality.
सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों की गुणवत्ता।

B. Investment in liquid assets.
तरल परिसंपत्तियों में निवेश।

C. Mix of government investment in different industrial sectors. ✓
विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में सरकारी निवेश का मिश्रण।

D. Buying Return on Investment yielding capital assets.
निवेश पर प्रतिफल देने वाली पूँजीगत परिसंपत्तियों की खरीद।

CORRECT ANSWER: C

YOUR ANSWER: C

💡 **EXPLANATION:**

.

22 **Question 22** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Net profits are only 2.2% of their total assets for central public sector undertakings, lower than for the private corporate sector. While the public sector or the State-led entrepreneurship played an important role in triggering India's industrialization, our evolving development needs, comparatively less-than-satisfactory performance of the public sector enterprises, the maturing of our private sector, a much larger social base now available for expanding entrepreneurship and the growing institutional capabilities to enforce competition policies would suggest that the time has come to review the role of public sector.

What should the portfolio composition of the government be? It should not remain static all times. The airline industry works well as a purely private affair. At the opposite end, rural roads, whose sparse traffic makes tolling unviable, have to be on the balance-sheet of the State. If the government did not own rural roads, they would not exist. Similarly, public health capital in our towns and cities will need to come from the public sector. Equally, preservation and improvement of forest cover will have to be a new priority for the public sector assets.

Take the example of steel. With near-zero tariffs, India is a globally competitive market for the metal. Indian firms export steel into the global market, which demonstrates there is no gap in technology. Indian companies are buying up global steel companies, which shows there is no gap in capital availability. Under these conditions, private ownership works best.

Private ownership is clearly desirable in regulated industries, ranging from finance to infrastructure, where a government agency performs the function of regulation and multiple competing firms are located in the private sector. Here, the simple and clean solution - government as the umpire and the private sector as the players is what works best. In many of these industries, we have a legacy of government ownership, where productivity tends to be lower, fear of bankruptcy is absent, and the risk of asking for money from the tax payer is ever present. There is also the conflict of interest between government as an owner and as the regulator. The formulation and implementation of competition policy will be more vigorous and fair if government companies are out of action.

The author prefers government as the umpire and private sector as players because

---

परिच्छेद

केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के लिए शुद्ध लाभ उनके कुल परिसंपत्तियों का केवल 2.2% है, जो निजी कॉरपोरेट क्षेत्र की तुलना में कम है। जबकि सार्वजनिक क्षेत्र या राज्य-नेतृत्व वाला उद्यमिता भारत के औद्योगिकीकरण को प्रारम्भ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता रहा है, हमारी विकसित होती विकास आवश्यकताएँ, सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों का अपेक्षाकृत कम संतोषजनक प्रदर्शन, हमारे निजी क्षेत्र का परिपक्व होना, उद्यमिता के विस्तार के लिए अब उपलब्ध व्यापक सामाजिक आधार तथा प्रतिस्पर्धा नीतियों को लागू करने की बढ़ती संस्थागत क्षमताएँ यह संकेत देती हैं कि अब सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका की समीक्षा करने का समय आ गया है।

सरकार के पोर्टफोलियो की संरचना क्या होनी चाहिए? यह हर समय स्थिर नहीं रहनी चाहिए। विमानन उद्योग पूर्णतः निजी क्षेत्र के रूप में अच्छी तरह कार्य करता है। इसके विपरीत, ग्रामीण सड़कों का क्षेत्र, जहाँ कम यातायात के कारण टोल वसूली संभव नहीं है, राज्य के लेखे में होना चाहिए। यदि सरकार ग्रामीण सड़कों की स्वामी न होती, तो वे अस्तित्व में नहीं होतीं। इसी प्रकार, हमारे नगरों और शहरों में सार्वजनिक स्वास्थ्य अवसंरचना सार्वजनिक क्षेत्र से ही आनी होगी। समान रूप से, वन आवरण का संरक्षण और सुधार सार्वजनिक क्षेत्र की परिसंपत्तियों के लिए एक नई प्राथमिकता होना चाहिए।

इस्पात का उदाहरण लें। लगभग शून्य शुल्क के साथ, भारत इस धातु के लिए एक वैश्विक प्रतिस्पर्धी बाज़ार है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक बाज़ार में इस्पात का निर्यात करती हैं, जो दर्शाता है कि प्रौद्योगिकी में कोई कमी नहीं है। भारतीय कंपनियाँ वैश्विक इस्पात कंपनियों का अधिग्रहण कर रही हैं, जो यह दर्शाता है कि पूँजी की उपलब्धता में कोई कमी नहीं है। इन परिस्थितियों में, निजी स्वामित्व सर्वोत्तम कार्य करता है।

विनियमित उद्योगों में, वित्त से लेकर अवसंरचना तक, जहाँ एक सरकारी एजेंसी विनियमन का कार्य करती है और अनेक प्रतिस्पर्धी कंपनियाँ निजी क्षेत्र में होती हैं, निजी स्वामित्व स्पष्ट रूप से वांछनीय है। यहाँ सरल और स्पष्ट समाधान —सरकार अम्पायर के रूप में और निजी क्षेत्र खिलाड़ी के रूप में—सबसे अच्छा कार्य करता है। इन उद्योगों में से अनेक में, हमारे पास सरकारी स्वामित्व की विरासत है, जहाँ उत्पादकता कम होती है, दिवालियापन का भय अनुपस्थित होता है, और करदाताओं से धन माँगने का जोखिम सदैव बना रहता है। इसके अतिरिक्त, सरकार के स्वामी और नियामक दोनों होने के बीच हितों का टकराव भी होता है। यदि सरकारी कंपनियाँ बाहर हो जाएँ, तो प्रतिस्पर्धा नीति का निर्माण और कार्यान्वयन अधिक सशक्त और निष्पक्ष होगा।
लेखक सरकार को अम्पायर और निजी क्षेत्र को खिलाड़ी के रूप में इसलिए पसंद करता है क्योंकि

OPTIONS:

A. Government prescribes norms for a fair play by the private sector. ✓
सरकार निजी क्षेत्र के लिए निष्पक्ष खेल के मानदंड निर्धारित करती है।

B. Government is the ultimate in policy formulation.
सरकार नीति निर्माण में सर्वोच्च है।

C. Government has no control over private sector players.
सरकार का निजी क्षेत्र के खिलाड़ियों पर कोई नियंत्रण नहीं होता।

D. None of the above statements is correct in this context.
उपरोक्त में से कोई भी कथन इस संदर्भ में सही नहीं है।

CORRECT ANSWER: A

YOUR ANSWER: A

💡 **EXPLANATION:**

.

.

23 **Question 23** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

There are 6 person; A, B, C, D, E and F. A has 3 items more than C
D has 4 items less than B
E has 6 items less than F
C has 2 items more than E
F has 3 items more than D
Which one of the following figure can not be equal to the total number of items possessed by all the 6 persons?

6 व्यक्ति हैं; A, B, C, D, E और F। A के पास C से 3 वस्तुएँ अधिक हैं
D के पास B से 4 वस्तुएँ कम हैं
E के पास F से 6 वस्तुएँ कम हैं
C के पास E से 2 वस्तुएँ अधिक हैं
F के पास D से 3 वस्तुएँ अधिक हैं
निम्नलिखित में से कौन-सा मान इन सभी 6 व्यक्तियों के पास कुल वस्तुओं की संख्या के बराबर नहीं हो सकता है?

OPTIONS:

A. 41
41

B. 4
4

C. 53 ✓
53

D. 58 ✗
58

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

24 **Question 24** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

How many numbers are there in all from 6000 to 6999 (Both 6000 and 6999 included) having all digits same?

6000 से 6999 (6000 और 6999 दोनों सहित) के बीच कुल कितनी संख्याएँ हैं जिनमें सभी अंक समान हैं?

OPTIONS:

A. 216

216

B. 356

356

C. 496 ✓

496

D. 504 ✗

504

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

25 **Question 25** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

Each of the five persons A, B, C, D and E possesses unequal number of similar items. A, B and C possesses Twenty-one items in all, while C, D and E possess seven items in all. How many items do A and B possess in all?

पाँच व्यक्तियों A, B, C, D और E में से प्रत्येक के पास समान प्रकार की वस्तुओं की असमान संख्या है। A, B और C के पास कुल मिलाकर इक्कीस वस्तुएँ हैं, जबकि C, D और E के पास कुल मिलाकर सात वस्तुएँ हैं। A और B के पास कुल कितनी वस्तुएँ हैं?

OPTIONS:

A. 15
15

B. 17 ✓
17

C. 18
18

D. Data is insufficient ✗
पर्याप्त आँकड़े नहीं हैं

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

26 **Question 26** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

(Each small circle represents a different station) What is the maximum number of different paths that exist between the station A and the station B?

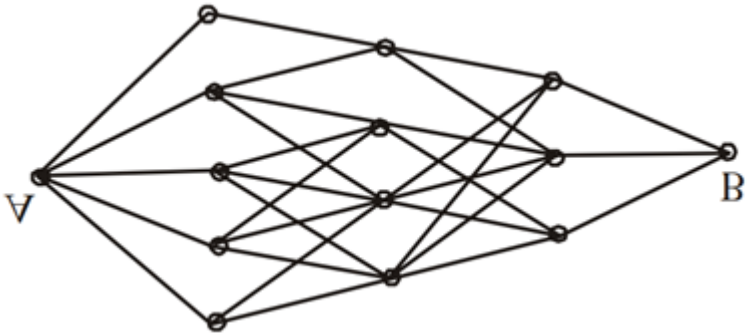

(प्रत्येक छोटा वृत्त एक भिन्न स्टेशन का प्रतिनिधित्व करता है) स्टेशन A और स्टेशन B के बीच अधिकतम कितने भिन्न पथ संभव हैं?

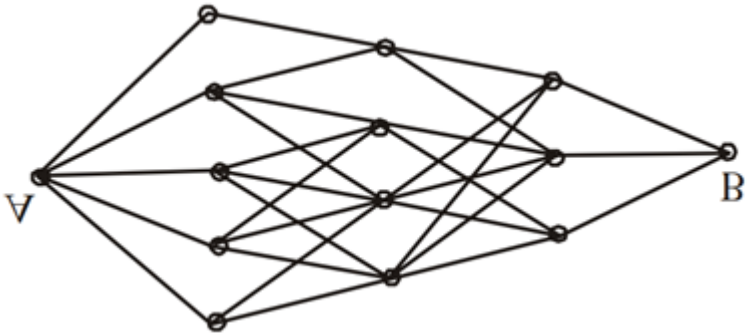

OPTIONS:

A. 28
28

B. 31
31 ✓

C. 33
33 ✗

D. 35
35

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

. .

27 **Question 27** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

6 equidistant vertical lines are drawn on a board 6 equidistant horizontal lines are also drawn on the board cutting the 6 vertical lines, and the distance between any two consecutive horizontal lines is equal to that between any two consecutive vertical lines. What is the maximum number of squares thus formed?

एक पट्ट पर 6 समदूरी पर स्थित ऊर्ध्वाधर रेखाएँ खींची गई हैं। पट्ट पर 6 समदूरी पर स्थित क्षैतिज रेखाएँ भी खींची गई हैं जो इन 6 ऊर्ध्वाधर रेखाओं को काटती हैं, और किसी भी दो क्रमिक क्षैतिज रेखाओं के बीच की दूरी किसी भी दो क्रमिक ऊर्ध्वाधर रेखाओं के बीच की दूरी के बराबर है। इस प्रकार अधिकतम कितने वर्ग निर्मित होते हैं?

OPTIONS:

A. 37

37

B. 55 ✓

55

C. 126

126

D. 225

225

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

28 **Question 28** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 1
Crude mineral oil comes out of the earth as a thick brown or black liquid with a strong smell. It is a complex mixture of many different substances, each with its own individual qualities. Most of them are combinations of hydrogen and carbon in varying proportions. Such hydrocarbons are also found in other forms such as bitumen, asphalt and natural gas. Mineral oil originates from the carcasses of tiny animals and from plants that live in the sea. Over millions of years, these dead creatures form large deposits under the seabed; and ocean currents cover them with a blanket of sand and silt. As this mineral hardens, it becomes sedimentary rock and effectively shuts out the oxygen, so preventing the complete decomposition of the marine deposits underneath. The layers of sedimentary rock become thicker and heavier. Their pressure produces heat, which transforms the tiny carcasses into crude oil in a process that is still going on today.
Mineral oil deposits under the sea do not get completely decomposed because they

परिच्छेद – 1
कच्चा खनिज तेल पृथ्वी से एक गाढ़े भूरे या काले द्रव के रूप में निकलता है, जिसकी तीव्र गंध होती है। यह अनेक विभिन्न पदार्थों का एक जटिल मिश्रण है, जिनमें से प्रत्येक के अपने विशिष्ट गुण होते हैं। इनमें से अधिकांश हाइड्रोजन और कार्बन के विभिन्न अनुपातों के संयोजन होते हैं। ऐसे हाइड्रोकार्बन अन्य रूपों में भी पाए जाते हैं, जैसे बिटुमेन, डामर और प्राकृतिक गैस। खनिज तेल समुद्र में रहने वाले सूक्ष्म जीवों और पौधों के अवशेषों से उत्पन्न होता है। लाखों वर्षों में, ये मृत जीव समुद्र तल के नीचे बड़े निक्षेपों का निर्माण करते हैं; और समुद्री धाराएँ उन्हें रेत और गाद की परत से ढक देती हैं। जैसे-जैसे यह पदार्थ कठोर होता है, यह अवसादी शैल बन जाता है और प्रभावी रूप से ऑक्सीजन को बाहर रखता है, जिससे नीचे स्थित समुद्री निक्षेपों का पूर्ण अपघटन नहीं हो पाता। अवसादी शैलों की परतें अधिक मोटी और भारी होती जाती हैं। उनका दबाव ऊष्मा उत्पन्न करता है, जो इन सूक्ष्म अवशेषों को कच्चे तेल में परिवर्तित कर देता है, और यह प्रक्रिया आज भी जारी है।
समुद्र के नीचे स्थित खनिज तेल के निक्षेप पूर्णतः अपघटित नहीं होते क्योंकि वे

OPTIONS:

A. are constantly washed by the ocean currents.
समुद्री धाराओं द्वारा निरंतर धुलते रहते हैं।

B. become rock and prevent oxygen from entering them. ✓
शैल बन जाते हैं और उनमें ऑक्सीजन के प्रवेश को रोकते हैं।

C. contain a mixture of hydrogen and carbon.
हाइड्रोजन और कार्बन का मिश्रण होते हैं।

D. are carcasses of organisms lying in saline conditions.
लवणीय परिस्थितियों में पड़े जीवों के अवशेष होते हैं।

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 **EXPLANATION:**

.

.

29 **Question 29** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 1
Crude mineral oil comes out of the earth as a thick brown or black liquid with a strong smell. It is a complex mixture of many different substances, each with its own individual qualities. Most of them are combinations of hydrogen and carbon in varying proportions. Such hydrocarbons are also found in other forms such as bitumen, asphalt and natural gas. Mineral oil originates from the carcasses of tiny animals and from plants that live in the sea. Over millions of years, these dead creatures form large deposits under the seabed; and ocean currents cover them with a blanket of sand and silt. As this mineral hardens, it becomes sedimentary rock and effectively shuts out the oxygen, so preventing the complete decomposition of the marine deposits underneath. The layers of sedimentary rock become thicker and heavier. Their pressure produces heat, which transforms the tiny carcasses into crude oil in a process that is still going on today.
Sedimentary rock leads to the formation of oil deposits because

परिच्छेद – 1
कच्चा खनिज तेल पृथ्वी से एक गाढ़े भूरे या काले द्रव के रूप में निकलता है, जिसकी तीव्र गंध होती है। यह अनेक विभिन्न पदार्थों का एक जटिल मिश्रण है, जिनमें से प्रत्येक के अपने विशिष्ट गुण होते हैं। इनमें से अधिकांश हाइड्रोजन और कार्बन के विभिन्न अनुपातों के संयोजन होते हैं। ऐसे हाइड्रोकार्बन अन्य रूपों में भी पाए जाते हैं, जैसे बिटुमेन, डामर और प्राकृतिक गैस। खनिज तेल समुद्र में रहने वाले सूक्ष्म जीवों और पौधों के अवशेषों से उत्पन्न होता है। लाखों वर्षों में, ये मृत जीव समुद्र तल के नीचे बड़े निक्षेपों का निर्माण करते हैं; और समुद्री धाराएँ उन्हें रेत और गाद की परत से ढक देती हैं। जैसे-जैसे यह पदार्थ कठोर होता है, यह अवसादी शैल बन जाता है और प्रभावी रूप से ऑक्सीजन को बाहर रखता है, जिससे नीचे स्थित समुद्री निक्षेपों का पूर्ण अपघटन नहीं हो पाता। अवसादी शैलों की परतें अधिक मोटी और भारी होती जाती हैं। उनका दबाव ऊष्मा उत्पन्न करता है, जो इन सूक्ष्म अवशेषों को कच्चे तेल में परिवर्तित कर देता है, और यह प्रक्रिया आज भी जारी है।
अवसादी शैल तेल के निक्षेपों के निर्माण का कारण बनती है क्योंकि

OPTIONS:

A. there are no saline conditions below it.
इसके नीचे लवणीय परिस्थितियाँ नहीं होती हैं।

B. it allows some dissolved oxygen to enter the dead organic matter below it.
यह कुछ घुलित ऑक्सीजन को नीचे स्थित मृत कार्बनिक पदार्थ में प्रवेश करने देती है।

C. weight of overlying sediment layers causes the production of heat. ✓
ऊपरी अवसादी परतों का भार ऊष्मा उत्पन्न करता है।

D. it contains the substances that catalyze the chemical reactions required to change dead organisms into oil.
इसमें वे पदार्थ होते हैं जो मृत जीवों को तेल में परिवर्तित करने के लिए आवश्यक रासायनिक अभिक्रियाओं को उत्प्रेरित करते हैं।

CORRECT ANSWER:

YOUR ANSWER:

C

C

💡 EXPLANATION:

.

.

30 **Question 30** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

PASSAGE – 2

Many nations now place their faith in capitalism and governments choose it as the strategy to create wealth for their people. The spectacular economic growth seen in Brazil, China and India after the liberalisation of their economies is proof of its enormous potential and success. However, the global banking crisis and the economic recession have left many bewildered. The debates tend to focus on free market operations and forces, their efficiency and their ability for self correction. Issues of justice, integrity and honesty are rarely elaborated to highlight the failure of the global banking system. The apologists of the system continue to justify the success of capitalism and argue that the recent crisis was a blip.

Their arguments betray an ideological bias with the assumptions that an unregulated market is fair and competent, and that the exercise of private greed will be in the larger public interest. Few recognize the bidirectional relationship between capitalism and greed; that each reinforces the other. Surely, a more honest conceptualisation of the conflicts of interest among the rich and powerful players who have benefited from the system, their biases and ideology is needed; the focus on the wealth creation should also highlight the resultant gross inequity.

The apologists of the "Free Market System", according to the passage, believe in

परिच्छेद – 2

अनेक राष्ट्र अब पूँजीवाद में अपना विश्वास रखते हैं और सरकारें इसे अपने लोगों के लिए संपत्ति सृजन की रणनीति के रूप में चुनती हैं। ब्राज़ील, चीन और भारत में उनकी अर्थव्यवस्थाओं के उदारीकरण के बाद देखी गई शानदार आर्थिक वृद्धि इसकी विशाल क्षमता और सफलता का प्रमाण है। तथापि, वैश्विक बैंकिंग संकट और आर्थिक मंदी ने अनेक लोगों को उलझन में डाल दिया है। बहसें प्रायः मुक्त बाज़ार के संचालन और शक्तियों, उनकी दक्षता और आत्म-सुधार की क्षमता पर केंद्रित रहती हैं। न्याय, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मुद्दों को वैश्विक बैंकिंग तंत्र की विफलता को रेखांकित करने के लिए विरले ही विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है। इस तंत्र के समर्थक पूँजीवाद की सफलता का समर्थन करते रहते हैं और यह तर्क देते हैं कि हालिया संकट मात्र एक क्षणिक व्यवधान था। उनके तर्क एक वैचारिक पक्षपात को प्रकट करते हैं, जिसमें यह मान्यता निहित है कि एक अविनियमित बाज़ार निष्पक्ष और सक्षम होता है, और यह कि निजी लोभ का अभ्यास व्यापक जनहित में होगा।

बहुत कम लोग पूँजीवाद और लोभ के बीच द्विदिश संबंध को पहचानते हैं; कि दोनों एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। निश्चित रूप से, इस तंत्र से लाभान्वित होने वाले धनी और शक्तिशाली पक्षों के बीच हितों के टकराव, उनके पक्षपात और विचारधारा की अधिक ईमानदार अवधारणा की आवश्यकता है; संपत्ति सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न गंभीर असमानता को भी उजागर करना चाहिए।

गद्यांश के अनुसार, "मुक्त बाज़ार तंत्र" के समर्थक किसमें विश्वास करते हैं?

OPTIONS:

A. market without control by government authorities. ✗
सरकारी नियंत्रण के बिना बाज़ार

B. market without protection by the government.
सरकार द्वारा संरक्षण के बिना बाज़ार

C. ability of market to self correct. ✓
बाज़ार की आत्म-सुधार की क्षमता

D. market for free goods and services.

मुक्त वस्तुओं और सेवाओं के लिए बाज़ार

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

A

💡 **EXPLANATION:**

.

.

31 **Question 31** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 2

Many nations now place their faith in capitalism and governments choose it as the strategy to create wealth for their people. The spectacular economic growth seen in Brazil, China and India after the liberalisation of their economies is proof of its enormous potential and success. However, the global banking crisis and the economic recession have left many bewildered. The debates tend to focus on free market operations and forces, their efficiency and their ability for self correction. Issues of justice, integrity and honesty are rarely elaborated to highlight the failure of the global banking system. The apologists of the system continue to justify the success of capitalism and argue that the recent crisis was a blip.

Their arguments betray an ideological bias with the assumptions that an unregulated market is fair and competent, and that the exercise of private greed will be in the larger public interest. Few recognize the bidirectional relationship between capitalism and greed; that each reinforces the other. Surely, a more honest conceptualisation of the conflicts of interest among the rich and powerful players who have benefited from the system, their biases and ideology is needed; the focus on the wealth creation should also highlight the resultant gross inequity.

With reference to "ideological bias", the passage implies that

---

परिच्छेद – 2

अनेक राष्ट्र अब पूँजीवाद में अपना विश्वास रखते हैं और सरकारें इसे अपने लोगों के लिए संपत्ति सृजन की रणनीति के रूप में चुनती हैं। ब्राज़ील, चीन और भारत में उनकी अर्थव्यवस्थाओं के उदारीकरण के बाद देखी गई शानदार आर्थिक वृद्धि इसकी विशाल क्षमता और सफलता का प्रमाण है। तथापि, वैश्विक बैंकिंग संकट और आर्थिक मंदी ने अनेक लोगों को उलझन में डाल दिया है। बहसें प्रायः मुक्त बाज़ार के संचालन और शक्तियों, उनकी दक्षता और आत्म-सुधार की क्षमता पर केंद्रित रहती हैं। न्याय, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मुद्दों को वैश्विक बैंकिंग तंत्र की विफलता को रेखांकित करने के लिए विरले ही विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है। इस तंत्र के समर्थक पूँजीवाद की सफलता का समर्थन करते रहते हैं और यह तर्क देते हैं कि हालिया संकट मात्र एक क्षणिक व्यवधान था। उनके तर्क एक वैचारिक पक्षपात को प्रकट करते हैं, जिसमें यह मान्यता निहित है कि एक अविनियमित बाज़ार निष्पक्ष और सक्षम होता है, और यह कि निजी लोभ का अभ्यास व्यापक जनहित में होगा।

बहुत कम लोग पूँजीवाद और लोभ के बीच द्विदिश संबंध को पहचानते हैं; कि दोनों एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। निश्चित रूप से, इस तंत्र से लाभान्वित होने वाले धनी और शक्तिशाली पक्षों के बीच हितों के टकराव, उनके पक्षपात और विचारधारा की अधिक ईमानदार अवधारणा की आवश्यकता है; संपत्ति सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न गंभीर असमानता को भी उजागर करना चाहिए।

“वैचारिक पक्षपात” के संदर्भ में, गद्यांश यह संकेत करता है कि

OPTIONS:

A. free market is fair but not competent.
मुक्त बाज़ार निष्पक्ष है परन्तु सक्षम नहीं है।

B. free market is not fair but competent.
मुक्त बाज़ार निष्पक्ष नहीं है परन्तु सक्षम है।

C. free market is fair and competent. ✓
मुक्त बाज़ार निष्पक्ष और सक्षम है।

D. free market is neither fair nor biased.

मुक्त बाज़ार न तो निष्पक्ष है और न ही पक्षपाती है।

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

32 **Question 32** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 2

Many nations now place their faith in capitalism and governments choose it as the strategy to create wealth for their people. The spectacular economic growth seen in Brazil, China and India after the liberalisation of their economies is proof of its enormous potential and success. However, the global banking crisis and the economic recession have left many bewildered. The debates tend to focus on free market operations and forces, their efficiency and their ability for self correction. Issues of justice, integrity and honesty are rarely elaborated to highlight the failure of the global banking system. The apologists of the system continue to justify the success of capitalism and argue that the recent crisis was a blip.

Their arguments betray an ideological bias with the assumptions that an unregulated market is fair and competent, and that the exercise of private greed will be in the larger public interest. Few recognize the bidirectional relationship between capitalism and greed; that each reinforces the other. Surely, a more honest conceptualisation of the conflicts of interest among the rich and powerful players who have benefited from the system, their biases and ideology is needed; the focus on the wealth creation should also highlight the resultant gross inequity.

The exercise of private greed will be in the larger public interest" from the passage

1. refers to the false ideology of capitalism.
2. underlies the righteous claims of the free market.
3. shows the benevolent face of capitalism.
4. ignores resultant gross inequity.

Which of the statements given above is/are correct?

परिच्छेद – 2

अनेक राष्ट्र अब पूँजीवाद में अपना विश्वास रखते हैं और सरकारें इसे अपने लोगों के लिए संपत्ति सृजन की रणनीति के रूप में चुनती हैं। ब्राज़ील, चीन और भारत में उनकी अर्थव्यवस्थाओं के उदारीकरण के बाद देखी गई शानदार आर्थिक वृद्धि इसकी विशाल क्षमता और सफलता का प्रमाण है। तथापि, वैश्विक बैंकिंग संकट और आर्थिक मंदी ने अनेक लोगों को उलझन में डाल दिया है। बहसें प्रायः मुक्त बाज़ार के संचालन और शक्तियों, उनकी दक्षता और आत्म-सुधार की क्षमता पर केंद्रित रहती हैं। न्याय, सत्यनिष्ठा और ईमानदारी के मुद्दों को वैश्विक बैंकिंग तंत्र की विफलता को रेखांकित करने के लिए विरले ही विस्तार से प्रस्तुत किया जाता है। इस तंत्र के समर्थक पूँजीवाद की सफलता का समर्थन करते रहते हैं और यह तर्क देते हैं कि हालिया संकट मात्र एक क्षणिक व्यवधान था। उनके तर्क एक वैचारिक पक्षपात को प्रकट करते हैं, जिसमें यह मान्यता निहित है कि एक अविनियमित बाज़ार निष्पक्ष और सक्षम होता है, और यह कि निजी लोभ का अभ्यास व्यापक जनहित में होगा।

बहुत कम लोग पूँजीवाद और लोभ के बीच द्विदिश संबंध को पहचानते हैं; कि दोनों एक-दूसरे को सुदृढ़ करते हैं। निश्चित रूप से, इस तंत्र से लाभान्वित होने वाले धनी और शक्तिशाली पक्षों के बीच हितों के टकराव, उनके पक्षपात और विचारधारा की अधिक ईमानदार अवधारणा की आवश्यकता है; संपत्ति सृजन पर ध्यान केंद्रित करने के साथ-साथ इसके परिणामस्वरूप उत्पन्न गंभीर असमानता को भी उजागर करना चाहिए।

“निजी लोभ का अभ्यास व्यापक जनहित में होगा” गद्यांश से

1. पूँजीवाद की मिथ्या विचारधारा को संदर्भित करता है।
2. मुक्त बाज़ार के न्यायोचित दावों का आधार है।
3. पूँजीवाद के परोपकारी स्वरूप को दर्शाता है।
4. परिणामी गंभीर असमानता की उपेक्षा करता है।

उपरोक्त में से कौन-सा/कौन-से कथन सही है/हैं?

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 and 3
2 और 3

C. 1and 4 ✓
1 और 4

D. 4 only
केवल 4

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

33 **Question 33** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A person stands at the middle point of a wooden ladder, which starts slipping between a vertical wall and the floor of a room. The path traced by a person standing at the middle point of the slipping ladder, is

एक व्यक्ति एक लकड़ी की सीढ़ी के मध्य बिंदु पर खड़ा है, जो एक कमरे की एक ऊर्ध्वाधर दीवार और फर्श के बीच फिसलने लगती है। फिसलती हुई सीढ़ी के मध्य बिंदु पर खड़े व्यक्ति द्वारा अनुरेखित पथ है

OPTIONS:

A. a straight line
एक सीधी रेखा

B. an elliptical path
एक दीर्घवृत्तीय पथ

C. a circular path ✓
एक वृत्तीय पथ

D. a parabolic path
एक परवलयिक पथ

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

34 **Question 34** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

DIRECTIONS (Qs. 34 to 37): Based on the information given below, answer the four items which follow it:
Gopal, Harsh, Inder, Jai and Krishnan have Ahmedabad, Bhopal, Cuttack, Delhi and Ernakulam as their hometowns (not necessarily in that order). They are studying in Engineering, Medical, Commerce, Economics and History college. (not necessarily in that order). None of the five boys is studying in his hometown, but each of them studies in one of the cities given above. Further, it is given that
i) Gopal's home town is Ernakulam.
ii) Harsh is not studying in Ahmedabad or Bhopal
iii) Economics college is in the Bhopal
iv) Inder's hometown is in Cuttack
v) Krishnan is studying in Delhi
vi) Jai is studying in Ernakulam and the History college is in his hometown Ahmedabad
vii) Engineering college is situated in Ernakulam.
Which is Krishnan's hometown?

निर्देश (प्रश्न 34 से 37): नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, उसके बाद आने वाले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
गोपाल, हर्ष, इन्दर, जय और कृष्णन के गृह नगर अहमदाबाद, भोपाल, कटक, दिल्ली और एर्नाकुलम हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। वे अभियांत्रिकी, चिकित्सा, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और इतिहास महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। पाँचों में से कोई भी लड़का अपने गृह नगर में अध्ययन नहीं कर रहा है, किन्तु प्रत्येक इनमें से दिए गए नगरों में से किसी एक में अध्ययन करता है। आगे यह दिया गया है कि
i) गोपाल का गृह नगर एर्नाकुलम है।
ii) हर्ष अहमदाबाद या भोपाल में अध्ययन नहीं कर रहा है
iii) अर्थशास्त्र महाविद्यालय भोपाल में है
iv) इन्दर का गृह नगर कटक में है
v) कृष्णन दिल्ली में अध्ययन कर रहा है
vi) जय एर्नाकुलम में अध्ययन कर रहा है और इतिहास महाविद्यालय उसके गृह नगर अहमदाबाद में है
vii) अभियांत्रिकी महाविद्यालय एर्नाकुलम में स्थित है।
कृष्णन का गृह नगर कौन-सा है?

OPTIONS:

A. Ahmedabad
अहमदाबाद

B. Cuttack
कटक

C. Bhopal ✓
भोपाल

D. Cannot be determined.
निर्धारित नहीं किया जा सकता।

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

35 **Question 35** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

DIRECTIONS (Qs. 34 to 37): Based on the information given below, answer the four items which follow it:
Gopal, Harsh, Inder, Jai and Krishnan have Ahmedabad, Bhopal, Cuttack, Delhi and Ernakulam as their hometowns (not necessarily in that order). They are studying in Engineering, Medical, Commerce, Economics and History college. (not necessarily in that order). None of the five boys is studying in his hometown, but each of them studies in one of the cities given above. Further, it is given that
i) Gopal's home town is Ernakulam.
ii) Harsh is not studying in Ahmedabad or Bhopal
iii) Economics college is in the Bhopal
iv) Inder's hometown is in Cuttack
v) Krishnan is studying in Delhi
vi) Jai is studying in Ernakulam and the History college is in his hometown Ahmedabad
vii) Engineering college is situated in Ernakulam.
Which college is situated in Inder's hometown?

निर्देश (प्रश्न 34 से 37): नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, उसके बाद आने वाले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
गोपाल, हर्ष, इन्दर, जय और कृष्णन के गृह नगर अहमदाबाद, भोपाल, कटक, दिल्ली और एर्नाकुलम हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। वे अभियांत्रिकी, चिकित्सा, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और इतिहास महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। पाँचों में से कोई भी लड़का अपने गृह नगर में अध्ययन नहीं कर रहा है, किन्तु प्रत्येक इनमें से दिए गए नगरों में से किसी एक में अध्ययन करता है। आगे यह दिया गया है कि
i) गोपाल का गृह नगर एर्नाकुलम है।
ii) हर्ष अहमदाबाद या भोपाल में अध्ययन नहीं कर रहा है
iii) अर्थशास्त्र महाविद्यालय भोपाल में है
iv) इन्दर का गृह नगर कटक में है
v) कृष्णन दिल्ली में अध्ययन कर रहा है
vi) जय एर्नाकुलम में अध्ययन कर रहा है और इतिहास महाविद्यालय उसके गृह नगर अहमदाबाद में है
vii) अभियांत्रिकी महाविद्यालय एर्नाकुलम में स्थित है।
इन्दर के गृह नगर में कौन-सा महाविद्यालय स्थित है?

OPTIONS:

A. Commerce
वाणिज्य

B. Medical
चिकित्सा

C. Economics
अर्थशास्त्र

D. Commerce or Medical ✓
वाणिज्य या चिकित्सा

CORRECT ANSWER:

D

YOUR ANSWER:

D

💡 EXPLANATION:

.

.

36 **Question 36** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

DIRECTIONS (Qs. 34 to 37): Based on the information given below, answer the four items which follow it:
Gopal, Harsh, Inder, Jai and Krishnan have Ahmedabad, Bhopal, Cuttack, Delhi and Ernakulam as their hometowns (not necessarily in that order). They are studying in Engineering, Medical, Commerce, Economics and History college. (not necessarily in that order). None of the five boys is studying in his hometown, but each of them studies in one of the cities given above. Further, it is given that
i) Gopal's home town is Ernakulam.
ii) Harsh is not studying in Ahmedabad or Bhopal
iii) Economics college is in the Bhopal
iv) Inder's hometown is in Cuttack
v) Krishnan is studying in Delhi
vi) Jai is studying in Ernakulam and the History college is in his hometown Ahmedabad
vii) Engineering college is situated in Ernakulam.
Who studies in Bhopal?

निर्देश (प्रश्न 34 से 37): नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, उसके बाद आने वाले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
गोपाल, हर्ष, इन्दर, जय और कृष्णन के गृह नगर अहमदाबाद, भोपाल, कटक, दिल्ली और एर्नाकुलम हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। वे अभियांत्रिकी, चिकित्सा, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और इतिहास महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। पाँचों में से कोई भी लड़का अपने गृह नगर में अध्ययन नहीं कर रहा है, किन्तु प्रत्येक इनमें से दिए गए नगरों में से किसी एक में अध्ययन करता है। आगे यह दिया गया है कि
i) गोपाल का गृह नगर एर्नाकुलम है।
ii) हर्ष अहमदाबाद या भोपाल में अध्ययन नहीं कर रहा है
iii) अर्थशास्त्र महाविद्यालय भोपाल में है
iv) इन्दर का गृह नगर कटक में है
v) कृष्णन दिल्ली में अध्ययन कर रहा है
vi) जय एर्नाकुलम में अध्ययन कर रहा है और इतिहास महाविद्यालय उसके गृह नगर अहमदाबाद में है
vii) अभियांत्रिकी महाविद्यालय एर्नाकुलम में स्थित है।
भोपाल में कौन अध्ययन करता है?

OPTIONS:

A. Gopal
गोपाल

B. Harsh
हर्ष

C. Gopal or Inder ✓
गोपाल या इन्दर

D. Inder or Harsh
इन्दर या हर्ष

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

37 **Question 37** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

DIRECTIONS (Qs. 34 to 37): Based on the information given below, answer the four items which follow it:
Gopal, Harsh, Inder, Jai and Krishnan have Ahmedabad, Bhopal, Cuttack, Delhi and Ernakulam as their hometowns (not necessarily in that order). They are studying in Engineering, Medical, Commerce, Economics and History college. (not necessarily in that order). None of the five boys is studying in his hometown, but each of them studies in one of the cities given above. Further, it is given that
i) Gopal's home town is Ernakulam.
ii) Harsh is not studying in Ahmedabad or Bhopal
iii) Economics college is in the Bhopal
iv) Inder's hometown is in Cuttack
v) Krishnan is studying in Delhi
vi) Jai is studying in Ernakulam and the History college is in his hometown Ahmedabad
vii) Engineering college is situated in Ernakulam.
If Inder studies in Ahmedabad, then which one of the following is the correct combination of person Hometown Place of study?

निर्देश (प्रश्न 34 से 37): नीचे दी गई जानकारी के आधार पर, उसके बाद आने वाले चार प्रश्नों के उत्तर दीजिए:
गोपाल, हर्ष, इन्दर, जय और कृष्णन के गृह नगर अहमदाबाद, भोपाल, कटक, दिल्ली और एर्नाकुलम हैं (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। वे अभियांत्रिकी, चिकित्सा, वाणिज्य, अर्थशास्त्र और इतिहास महाविद्यालय में अध्ययन कर रहे हैं। (आवश्यक नहीं कि इसी क्रम में हों)। पाँचों में से कोई भी लड़का अपने गृह नगर में अध्ययन नहीं कर रहा है, किन्तु प्रत्येक इनमें से दिए गए नगरों में से किसी एक में अध्ययन करता है। आगे यह दिया गया है कि
i) गोपाल का गृह नगर एर्नाकुलम है।
ii) हर्ष अहमदाबाद या भोपाल में अध्ययन नहीं कर रहा है
iii) अर्थशास्त्र महाविद्यालय भोपाल में है
iv) इन्दर का गृह नगर कटक में है
v) कृष्णन दिल्ली में अध्ययन कर रहा है
vi) जय एर्नाकुलम में अध्ययन कर रहा है और इतिहास महाविद्यालय उसके गृह नगर अहमदाबाद में है
vii) अभियांत्रिकी महाविद्यालय एर्नाकुलम में स्थित है।
यदि इन्दर अहमदाबाद में अध्ययन करता है, तो निम्नलिखित में से कौन-सा व्यक्ति–गृह नगर–अध्ययन का स्थान का सही संयोजन है?

OPTIONS:

A. Gopal – Ernakulam – Delhi
गोपाल – एर्नाकुलम – दिल्ली

B. Jai – Ahmedabad – Ernakulam ✓
जय – अहमदाबाद – एर्नाकुलम

C. Krishnan – Delhi – Emakulam
कृष्णन – दिल्ली – एर्नाकुलम

D. Harsh – Bhopal – Delhi

हर्ष – भोपाल – दिल्ली

CORRECT ANSWER:

B

YOUR ANSWER:

B

💡 EXPLANATION:

.

.

38 **Question 38** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The subject of democracy has become severely muddled because of the way the rhetoric surrounding it has been used in recent years. There is, increasingly, an oddly confused dichotomy between those who want to 'impose' democracy on countries in the non-Western world (in these countries' 'own interest', of course) and those who are opposed to such 'imposition' (because of the respect for the countries' 'own ways'). But the entire language of 'imposition', used by both sides, is extraordinarily inappropriate since it makes the implicit assumption that democracy belongs exclusively to the West, taking it to be a quintessentialy 'Wester' idea which has originated and flourished only in the West.

But the thesis and the pessimism it generates about the possibility of democratic practice in the world would be extremely hard to justify. There were several experiments in local democracy in ancient India. Indeed, in understanding the roots of democracy in the world, we have to take an interest in the history of people participation and public reasoning in different parts of the world. We have to look beyond thinking of democracy only in terms of European and American evolution. We would fail to understand the pervasive demands for participatory living, on which Aristotle spoke with far-reaching insight, if we take democracy to be a kind of a specialized cultural product of the West.

It cannot, of course, be doubted that the institutional structure of the contemporary practice of democracy is largely the product of European and American experience over the last few centuries. This is extremely important to recognize since these developments in institutional formats were immensely innovative and ultimately effective. There can be little doubt that there is a major 'Western' achievement here.

Which of the following is closest to the view of democracy as mentioned in the above passage?

परिच्छेद

लोकतंत्र का विषय हाल के वर्षों में उसके आसपास प्रयुक्त भाषा के कारण अत्यंत उलझ गया है। बढ़ती हुई प्रवृत्ति यह है कि एक विचित्र रूप से भ्रमित द्वैत उत्पन्न हो गया है—एक ओर वे लोग हैं जो गैर-पश्चिमी देशों पर लोकतंत्र 'थोपना' चाहते हैं (निस्संदेह उन देशों के 'अपने हित' में), और दूसरी ओर वे लोग हैं जो ऐसे 'थोपने' के विरोध में हैं (उन देशों के 'अपने तरीकों' के प्रति सम्मान के कारण)। परन्तु 'थोपने' की पूरी भाषा, जिसका उपयोग दोनों पक्ष करते हैं, अत्यंत अनुपयुक्त है क्योंकि यह निहित मान्यता बना लेती है कि लोकतंत्र केवल पश्चिम का है, इसे एक विशुद्ध 'पश्चिमी' विचार मानते हुए जो केवल पश्चिम में उत्पन्न हुआ और विकसित हुआ है।

परन्तु यह सिद्धांत और इससे उत्पन्न निराशावाद कि विश्व में लोकतांत्रिक व्यवहार की संभावना सीमित है, उचित ठहराना अत्यंत कठिन होगा। प्राचीन भारत में स्थानीय लोकतंत्र के अनेक प्रयोग हुए थे। वास्तव में, विश्व में लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिए हमें विश्व के विभिन्न भागों में जन भागीदारी और सार्वजनिक तर्क-विमर्श के इतिहास में रुचि लेनी होगी। हमें लोकतंत्र को केवल यूरोपीय और अमेरिकी विकास के संदर्भ में देखने से आगे बढ़ना होगा। यदि हम लोकतंत्र को पश्चिम का एक विशिष्ट सांस्कृतिक उत्पाद मान लें, तो हम सहभागी जीवन की व्यापक मांगों को समझने में असफल होंगे, जिन पर अरस्तू ने दूरदर्शी अंतर्दृष्टि के साथ विचार किया था।

निस्संदेह, यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि समकालीन लोकतांत्रिक व्यवहार की संस्थागत संरचना मुख्यतः पिछले कुछ शताब्दियों में यूरोपीय और अमेरिकी अनुभव का परिणाम है। इसे स्वीकार करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि संस्थागत प्रारूपों में ये विकास अत्यंत नवोन्मेषी और अंततः प्रभावी रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यहाँ एक प्रमुख 'पश्चिमी' उपलब्धि है।

उपरोक्त गद्यांश में वर्णित लोकतंत्र के दृष्टिकोण के सबसे निकट निम्नलिखित में से कौन-सा है?

OPTIONS:

A. The subject of democracy is a muddle due to a desire to portray it as a Western concept, 'alien' to nonWestern countries.
लोकतंत्र का विषय इसलिए उलझा हुआ है क्योंकि इसे एक पश्चिमी अवधारणा के रूप में प्रस्तुत करने की इच्छा है, जो गैर-पश्चिमी देशों के लिए 'विदेशी' है।

B. The language of imposition of democracy is inappropriate. There is, however, a need to consider this concept in the backdrop of culture of 'own ways' of non-Western society.
लोकतंत्र के थोपने की भाषा अनुपयुक्त है। तथापि, इस अवधारणा को गैर-पश्चिमी समाज के 'अपने तरीकों' की संस्कृति की पृष्ठभूमि में देखने की आवश्यकता है।

C. While democracy is not essentially a Western idea belonging exclusively to the West, the institutional structure of current democratic practices has been their contribution. ✓
यद्यपि लोकतंत्र मूलतः केवल पश्चिम का विचार नहीं है, वर्तमान लोकतांत्रिक व्यवहार की संस्थागत संरचना उनका योगदान है।

D. None of the statements (a), (b) and (c) given above is correct.
उपरोक्त (a), (b) और (c) में से कोई भी सही नहीं है।

CORRECT ANSWER: C

YOUR ANSWER: C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

39 **Question 39** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

The subject of democracy has become severely muddled because of the way the rhetoric surrounding it has been used in recent years. There is, increasingly, an oddly confused dichotomy between those who want to 'impose' democracy on countries in the non-Western world (in these countries' 'own interest', of course) and those who are opposed to such 'imposition' (because of the respect for the countries' 'own ways'). But the entire language of 'imposition', used by both sides, is extraordinarily inappropriate since it makes the implicit assumption that democracy belongs exclusively to the West, taking it to be a quintessentialy 'Wester' idea which has originated and flourished only in the West.

But the thesis and the pessimism it generates about the possibility of democratic practice in the world would be extremely hard to justify. There were several experiments in local democracy in ancient India. Indeed, in understanding the roots of democracy in the world, we have to take an interest in the history of people participation and public reasoning in different parts of the world. We have to look beyond thinking of democracy only in terms of European and American evolution. We would fail to understand the pervasive demands for participatory living, on which Aristotle spoke with far-reaching insight, if we take democracy to be a kind of a specialized cultural product of the West.

It cannot, of course, be doubted that the institutional structure of the contemporary practice of democracy is largely the product of European and American experience over the last few centuries. This is extremely important to recognize since these developments in institutional formats were immensely innovative and ultimately effective. There can be little doubt that there is a major 'Western' achievement here.

With reference to the passage, the following assumption have been made:

1. Many of the non-Western countries are unable to have democracy because they take democracy to be a specialized cultural product of the West.
2. Western countries are always trying to impose democracy on non-Western countries.

Which of the above is/are valid assumption/assumptions?

परिच्छेद

लोकतंत्र का विषय हाल के वर्षों में उसके आसपास प्रयुक्त भाषा के कारण अत्यंत उलझ गया है। बढ़ती हुई प्रवृत्ति यह है कि एक विचित्र रूप से भ्रमित द्वैत उत्पन्न हो गया है—एक ओर वे लोग हैं जो गैर-पश्चिमी देशों पर लोकतंत्र 'थोपना' चाहते हैं (निस्संदेह उन देशों के 'अपने हित' में), और दूसरी ओर वे लोग हैं जो ऐसे 'थोपने' के विरोध में हैं (उन देशों के 'अपने तरीकों' के प्रति सम्मान के कारण)। परन्तु 'थोपने' की पूरी भाषा, जिसका उपयोग दोनों पक्ष करते हैं, अत्यंत अनुपयुक्त है क्योंकि यह निहित मान्यता बना लेती है कि लोकतंत्र केवल पश्चिम का है, इसे एक विशुद्ध 'पश्चिमी' विचार मानते हुए जो केवल पश्चिम में उत्पन्न हुआ और विकसित हुआ है।

परन्तु यह सिद्धांत और इससे उत्पन्न निराशावाद कि विश्व में लोकतांत्रिक व्यवहार की संभावना सीमित है, उचित ठहराना अत्यंत कठिन होगा। प्राचीन भारत में स्थानीय लोकतंत्र के अनेक प्रयोग हुए थे। वास्तव में, विश्व में लोकतंत्र की जड़ों को समझने के लिए हमें विश्व के विभिन्न भागों में जन भागीदारी और सार्वजनिक तर्क-विमर्श के इतिहास में रुचि लेनी होगी। हमें लोकतंत्र को केवल यूरोपीय और अमेरिकी विकास के संदर्भ में देखने से आगे बढ़ना होगा। यदि हम लोकतंत्र को पश्चिम का एक विशिष्ट सांस्कृतिक उत्पाद मान लें, तो हम सहभागी जीवन की व्यापक मांगों को समझने में असफल होंगे, जिन पर अरस्तू ने दूरदर्शी अंतर्दृष्टि के साथ विचार किया था।

निस्संदेह, यह अस्वीकार नहीं किया जा सकता कि समकालीन लोकतांत्रिक व्यवहार की संस्थागत संरचना मुख्यतः पिछले कुछ शताब्दियों में यूरोपीय और अमेरिकी अनुभव का परिणाम है। इसे स्वीकार करना अत्यंत महत्त्वपूर्ण है क्योंकि संस्थागत प्रारूपों में ये विकास अत्यंत नवोन्मेषी और अंततः प्रभावी रहे हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि यहाँ एक प्रमुख 'पश्चिमी' उपलब्धि है।

गद्यांश के संदर्भ में निम्नलिखित मान्यताएँ की गई हैं:
1. गैर-पश्चिमी देशों में से अनेक लोकतंत्र स्थापित करने में असमर्थ हैं क्योंकि वे लोकतंत्र को पश्चिम का एक विशिष्ट सांस्कृतिक उत्पाद मानते हैं।
2. पश्चिमी देश सदैव गैर-पश्चिमी देशों पर लोकतंत्र थोपने का प्रयास करते हैं।
उपरोक्त में से कौन-सी मान्यता/मान्यताएँ सही है/हैं?

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 only
केवल 2

C. Both 1 and 2
1 और 2 दोनों

D. Neither 1 nor 2 ✓
न तो 1 न ही 2

CORRECT ANSWER: D

YOUR ANSWER: D

💡 **EXPLANATION:**

.

.

40 **Question 40** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A person has to completely put each of three liquids: 403 litres of petrol, 465 litres of diesel and 496 litres of Mobile Oil in bottles of equal size without mixing any of the above three types of liquids such that each bottle is completely filled. What is the least possible number of bottles required?

एक व्यक्ति को तीन द्रवों में से प्रत्येक को पूर्णतः बोतलों में भरना है: 403 लीटर पेट्रोल, 465 लीटर डीजल और 496 लीटर मोबाइल तेल, ऐसी समान आकार की बोतलों में बिना किसी प्रकार के मिश्रण के, ताकि प्रत्येक बोतल पूरी तरह भरी हो। आवश्यक न्यूनतम बोतलों की संख्या क्या है?

OPTIONS:

A. 34
34

B. 44 ✓
44

C. 46
46

D. None of the above
उपरोक्त में से कोई नहीं

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.
.

41 **Question 41** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

If all the numbers from 501 to 700 are written, what is the total number of times does the digit 6 appear?

यदि 501 से 700 तक की सभी संख्याएँ लिखी जाएँ, तो अंक 6 कुल कितनी बार प्रकट होता है?

OPTIONS:

A. 138

138

B. 139

139

C. 140 ✓

140

D. 141

141

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

42 **Question 42** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

The average salary of 100 employees in an office is ₹ 16,000 per month. The management decided to raise salary of every employee by 5% but stopped a transport allowance of ₹ 800 per month which was paid earlier to every employee. What will be the new average monthly salary?

एक कार्यालय में 100 कर्मचारियों का औसत वेतन ₹ 16,000 प्रति माह है। प्रबंधन ने प्रत्येक कर्मचारी के वेतन में 5% की वृद्धि करने का निर्णय लिया, परन्तु ₹ 800 प्रति माह का परिवहन भत्ता, जो पहले प्रत्येक कर्मचारी को दिया जाता था, बंद कर दिया। नया औसत मासिक वेतन क्या होगा?

OPTIONS:

A. ₹16,000 ✗

₹16,000

B. ₹16,500

₹16,500

C. ₹16,800 ✓

₹16,800

D. Cannot be known since data are insufficient

आँकड़े अपर्याप्त होने के कारण ज्ञात नहीं किया जा सकता

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

43 **Question 43** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

In the series
AABABCABCDABCDE....
Which letter occupies the 100th position?
श्रृंखला में
AABABCABCDABCDE....
100वें स्थान पर कौन-सा अक्षर होगा?

OPTIONS:

A. H
H

B. I ✓
I

C. J
J

D. K
K

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.
.

44 **Question 44** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

What is the number of terms in the series 117, 120, 123, 126, ..., 333?

श्रृंखला 117, 120, 123, 126, ..., 333 में पदों की संख्या क्या है?

OPTIONS:

A. 72

72

B. 73 ✓

73

C. 76

76

D. 79

79

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

45 **Question 45** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Corporate governance is based on principles such as conducting the business with all integrity and fairness, being transparent with regard to all transactions, making all the necessary disclosures and decisions, complying with all the laws of the land, accountability and responsibility towards the stakeholders and commitment to conducting business in an ethical manner. Another point which is highlighted on corporate governance is the need for those in control to be able to distinguish between what are personal and corporate funds while managing a company. Fundamentally, there is a level of confidence that is associated with a company that is known to have good corporate governance.

The presence of an active group of independent directors on the board contributes a great deal towards ensuring confidence in the market. Corporate governance is known to be one of the criteria that foreign institutional investors are increasingly depending on when deciding on which companies to invest in. It is also known to have a positive influence on the share price of the company. Having a clean image on the corporate governance front could also make it easier for companies to source capital at more reasonable costs. Unfortunately, corporate governance often becomes the centre of discussion only after the exposure of a large scam.

According to the passage, which of the following should be the practice/practices in good corporate governance?

1. Companies should always comply with labour and tax laws of the land.
2. Every company in the country should have a government representative as one of the independent directors on the board to ensure transparency.
3. The manager of a company should never invest his personal funds in the company.

Select the correct answer using the codes given below:

परिच्छेद – 1

कॉरपोरेट शासन उन सिद्धांतों पर आधारित है जैसे कि पूर्ण ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ व्यवसाय का संचालन करना, सभी लेन-देन के संबंध में पारदर्शी होना, सभी आवश्यक प्रकटीकरण और निर्णय करना, देश के सभी कानूनों का पालन करना, हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व और जिम्मेदारी तथा नैतिक तरीके से व्यवसाय करने के प्रति प्रतिबद्धता। कॉरपोरेट शासन में एक अन्य बिंदु जो प्रमुख रूप से उभरकर आता है, वह यह है कि नियंत्रण में रहने वाले व्यक्तियों को कंपनी का प्रबंधन करते समय व्यक्तिगत और कॉरपोरेट निधियों के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। मूल रूप से, एक कंपनी के साथ विश्वास का एक स्तर जुड़ा होता है जो अच्छे कॉरपोरेट शासन के लिए जानी जाती है।

निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के एक सक्रिय समूह की उपस्थिति बाजार में विश्वास सुनिश्चित करने में बहुत योगदान देती है। यह ज्ञात है कि कॉरपोरेट शासन उन मानदंडों में से एक है जिस पर विदेशी संस्थागत निवेशक यह निर्णय लेते समय अधिकाधिक निर्भर करते हैं कि उन्हें किन कंपनियों में निवेश करना है। यह कंपनी के शेयर मूल्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए भी जाना जाता है। कॉरपोरेट शासन के संदर्भ में स्वच्छ छवि होने से कंपनियों के लिए अधिक उचित लागत पर पूंजी प्राप्त करना भी आसान हो सकता है। दुर्भाग्यवश, कॉरपोरेट शासन अक्सर केवल किसी बड़े घोटाले के उजागर होने के बाद ही चर्चा का केंद्र बनता है।

गद्यांश के अनुसार, अच्छे कॉरपोरेट शासन में निम्नलिखित में से कौन-सी प्रथा/प्रथाएँ होनी चाहिए?

1. कंपनियों को सदैव देश के श्रम और कर कानूनों का पालन करना चाहिए।
2. देश की प्रत्येक कंपनी में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों में से एक के रूप में एक सरकारी प्रतिनिधि होना चाहिए।
3. किसी कंपनी के प्रबंधक को कभी भी अपने व्यक्तिगत निधि का कंपनी में निवेश नहीं करना चाहिए।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 only ✓
केवल 1

B. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

C. 1 and 3 only
केवल 1 और 3

D. 1, 2 and 3
1, 2 और 3

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

46 **Question 46** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

PASSAGE

Corporate governance is based on principles such as conducting the business with all integrity and fairness, being transparent with regard to all transactions, making all the necessary disclosures and decisions, complying with all the laws of the land, accountability and responsibility towards the stakeholders and commitment to conducting business in an ethical manner. Another point which is highlighted on corporate governance is the need for those in control to be able to distinguish between what are personal and corporate funds while managing a company. Fundamentally, there is a level of confidence that is associated with a company that is known to have good corporate governance.

The presence of an active group of independent directors on the board contributes a great deal towards ensuring confidence in the market. Corporate governance is known to be one of the criteria that foreign institutional investors are increasingly depending on when deciding on which companies to invest in. It is also known to have a positive influence on the share price of the company. Having a clean image on the corporate governance front could also make it easier for companies to source capital at more reasonable costs. Unfortunately, corporate governance often becomes the centre of discussion only after the exposure of a large scam.

According to the passage, which of the following is/are the major benefit/benefits of good corporate governance?

1. Good corporate governance leads to increase in share price of the company.
2. A company with good corporate governance always increases its business turnover rapidly.
3. Good corporate governance is the main criterion for foreign institutional investors when they decide to buy a company.

Select the correct answer using the codes given below:

परिच्छेद – 1

कॉरपोरेट शासन उन सिद्धांतों पर आधारित है जैसे कि पूर्ण ईमानदारी और निष्पक्षता के साथ व्यवसाय का संचालन करना, सभी लेन-देन के संबंध में पारदर्शी होना, सभी आवश्यक प्रकटीकरण और निर्णय करना, देश के सभी कानूनों का पालन करना, हितधारकों के प्रति उत्तरदायित्व और जिम्मेदारी तथा नैतिक तरीके से व्यवसाय करने के प्रति प्रतिबद्धता। कॉरपोरेट शासन में एक अन्य बिंदु जो प्रमुख रूप से उभरकर आता है, वह यह है कि नियंत्रण में रहने वाले व्यक्तियों को कंपनी का प्रबंधन करते समय व्यक्तिगत और कॉरपोरेट निधियों के बीच अंतर करने में सक्षम होना चाहिए। मूल रूप से, एक कंपनी के साथ विश्वास का एक स्तर जुड़ा होता है जो अच्छे कॉरपोरेट शासन के लिए जानी जाती है।

निदेशक मंडल में स्वतंत्र निदेशकों के एक सक्रिय समूह की उपस्थिति बाजार में विश्वास सुनिश्चित करने में बहुत योगदान देती है। यह ज्ञात है कि कॉरपोरेट शासन उन मानदंडों में से एक है जिस पर विदेशी संस्थागत निवेशक यह निर्णय लेते समय अधिकाधिक निर्भर करते हैं कि उन्हें किन कंपनियों में निवेश करना है। यह कंपनी के शेयर मूल्य पर सकारात्मक प्रभाव डालने के लिए भी जाना जाता है। कॉरपोरेट शासन के संदर्भ में स्वच्छ छवि होने से कंपनियों के लिए अधिक उचित लागत पर पूंजी प्राप्त करना भी आसान हो सकता है। दुर्भाग्यवश, कॉरपोरेट शासन अक्सर केवल किसी बड़े घोटाले के उजागर होने के बाद ही चर्चा का केंद्र बनता है।

गद्यांश के अनुसार, अच्छे कॉरपोरेट शासन के प्रमुख लाभ/लाभ क्या हैं?

1. अच्छा कॉरपोरेट शासन कंपनी के शेयर मूल्य में वृद्धि करता है।
2. अच्छा कॉरपोरेट शासन वाली कंपनी सदैव अपने व्यवसायिक कारोबार को तीव्र गति से बढ़ाती है।
3. अच्छा कॉरपोरेट शासन वह मुख्य मानदंड है जिस पर विदेशी संस्थागत निवेशक कंपनी में निवेश का निर्णय लेते हैं।

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 only ✓
केवल 1

B. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

C. 1 and 3 only ✗
केवल 1 और 3

D. 1, 2 and 3
1, 2 और 3

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

47 **Question 47** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE
The miseries of the world cannot be cured by physical help only. Until man's nature changes, his physical needs will always arise, and miseries will always be felt, and no amount of physical help will remove them completely. The only solution of the problem is to make mankind pure.
Ignorance is the mother of evil and of all the misery we see. Let men have light, let them be pure and spiritually strong and educated; then alone will misery cease in the world. We may convert every house in the country into a charitable asylum, we may fill the land with hospitals, but human misery will continue until man's character changes.
According to the passage, which of the following statements is most likely to be true as the reason for man's miseries?

परिच्छेद – 2
विश्व की पीड़ाओं का निवारण केवल भौतिक सहायता से नहीं किया जा सकता। जब तक मनुष्य का स्वभाव नहीं बदलता, उसकी भौतिक आवश्यकताएँ सदैव उत्पन्न होती रहेंगी, और पीड़ाएँ सदैव अनुभव की जाएँगी, तथा कोई भी भौतिक सहायता उन्हें पूर्णतः समाप्त नहीं कर सकती। इस समस्या का एकमात्र समाधान मानव जाति को शुद्ध बनाना है। अज्ञान सभी बुराइयों और उन सभी पीड़ाओं की जननी है जिन्हें हम देखते हैं। मनुष्यों को प्रकाश प्राप्त होने दीजिए, उन्हें शुद्ध और आध्यात्मिक रूप से सशक्त तथा शिक्षित होने दीजिए; तभी संसार से पीड़ा समाप्त होगी। हम देश के प्रत्येक घर को एक परोपकारी आश्रय में परिवर्तित कर सकते हैं, हम भूमि को अस्पतालों से भर सकते हैं, परन्तु मानव पीड़ा तब तक बनी रहेगी जब तक मनुष्य का चरित्र नहीं बदलता।
गद्यांश के अनुसार, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन मनुष्य की पीड़ाओं के कारण के रूप में सर्वाधिक सत्य होने की संभावना है?

OPTIONS:

A. The poor economic and social conditions prevailing in society.
समाज में विद्यमान खराब आर्थिक और सामाजिक परिस्थितियाँ।

B. The refusal on the part of man to change his character. ✓
मनुष्य द्वारा अपने चरित्र को बदलने से इनकार।

C. The absence of physical and material help from his society.
समाज से भौतिक और संसाधनात्मक सहायता का अभाव।

D. Ever increasing physical needs due to changing social structure.
परिवर्तित सामाजिक संरचना के कारण निरंतर बढ़ती भौतिक आवश्यकताएँ।

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

48 **Question 48** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE
The miseries of the world cannot be cured by physical help only. Until man's nature changes, his physical needs will always arise, and miseries will always be felt, and no amount of physical help will remove them completely. The only solution of the problem is to make mankind pure.
Ignorance is the mother of evil and of all the misery we see. Let men have light, let them be pure and spiritually strong and educated; then alone will misery cease in the world. We may convert every house in the country into a charitable asylum, we may fill the land with hospitals, but human misery will continue until man's character changes.
With reference to the passage, the following assumptions have been made"
1. The author gives primary importance to physical and material help in eradicating human misery.
2. Charitable homes, hospitals, etc. can remove human misery to a great extent.
Which of the assumption is/are valid?

परिच्छेद – 2
विश्व की पीड़ाओं का निवारण केवल भौतिक सहायता से नहीं किया जा सकता। जब तक मनुष्य का स्वभाव नहीं बदलता, उसकी भौतिक आवश्यकताएँ सदैव उत्पन्न होती रहेंगी, और पीड़ाएँ सदैव अनुभव की जाएँगी, तथा कोई भी भौतिक सहायता उन्हें पूर्णतः समाप्त नहीं कर सकती। इस समस्या का एकमात्र समाधान मानव जाति को शुद्ध बनाना है। अज्ञान सभी बुराइयों और उन सभी पीड़ाओं की जननी है जिन्हें हम देखते हैं। मनुष्यों को प्रकाश प्राप्त होने दीजिए, उन्हें शुद्ध और आध्यात्मिक रूप से सशक्त तथा शिक्षित होने दीजिए; तभी संसार से पीड़ा समाप्त होगी। हम देश के प्रत्येक घर को एक परोपकारी आश्रय में परिवर्तित कर सकते हैं, हम भूमि को अस्पतालों से भर सकते हैं, परन्तु मानव पीड़ा तब तक बनी रहेगी जब तक मनुष्य का चरित्र नहीं बदलता।
गद्यांश के संदर्भ में, निम्नलिखित मान्यताएँ की गई हैं:
1. लेखक मानव पीड़ा के उन्मूलन में भौतिक और संसाधनात्मक सहायता को प्राथमिक महत्व देता है।
2. परोपकारी आश्रय, अस्पताल आदि मानव पीड़ा को बड़े स्तर पर समाप्त कर सकते हैं।
कौन-सी मान्यता/मान्यताएँ सही है/हैं?

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 only
केवल 2

C. Both 1 and 2
1 और 2 दोनों

D. Neither 1 nor 2 ✓
न तो 1 न ही 2

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

49

Question 49

🧠 Conceptual

✓ Correct

QUESTION:

A person purchases 100 pens at a discount of 10%. The net amount of money spent by the person to purchase the pens is ₹ 600. The selling expenses incurred by the person are 15% on the net cost price. What should be the selling price for 100 pens in order to earn a profit of 25%?

एक व्यक्ति 100 पेन 10% की छूट पर खरीदता है। पेन खरीदने के लिए उस व्यक्ति द्वारा व्यय की गई शुद्ध राशि ₹ 600 है। विक्रय व्यय, शुद्ध लागत मूल्य का 15% है। 25% लाभ अर्जित करने के लिए 100 पेन का विक्रय मूल्य क्या होना चाहिए?

OPTIONS:

A. ₹802.50

₹802.50

B. ₹811.25

₹811.25

C. ₹862.50 ✓

₹862.50

D. ₹875

₹875

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

50 **Question 50** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

In an examination, 70% of the students passed in the Paper I, and 60% of the students passed in the Paper II. 15% of the students failed in both the papers while 270 students passed in both the papers. What is the total number of students?

एक परीक्षा में, 70% छात्र पेपर I में उत्तीर्ण हुए, और 60% छात्र पेपर II में उत्तीर्ण हुए। 15% छात्र दोनों पेपरों में अनुत्तीर्ण हुए जबकि 270 छात्र दोनों पेपरों में उत्तीर्ण हुए। छात्रों की कुल संख्या क्या है?

OPTIONS:

A. 600 ✓

600

B. 580

580

C. 560

560

D. 540

540

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

51 **Question 51** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

March 1, 2008 was Saturday. Which day was it on March 1, 2002?
1 मार्च, 2008 शनिवार था। 1 मार्च, 2002 को कौन-सा दिन था?

OPTIONS:

A. Thursday
गुरुवार

B. Friday ✓
शुक्रवार

C. Saturday
शनिवार

D. Sunday
रविवार

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.
.

52 **Question 52** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

There are four persons A, B, C, D; and A has some coins. A gave half of the coins to B and 4 more besides. B gave half of the coins to C and 4 more besides. C gave half of the coins to D and 4 more besides. Both B and D end up with same number of coins. How many coins did A have originally?

चार व्यक्ति A, B, C, D हैं; और A के पास कुछ सिक्के हैं। A ने अपने सिक्कों का आधा B को दे दिया और अतिरिक्त 4 सिक्के भी दिए। B ने अपने सिक्कों का आधा C को दे दिया और अतिरिक्त 4 सिक्के भी दिए। C ने अपने सिक्कों का आधा D को दे दिया और अतिरिक्त 4 सिक्के भी दिए। अंत में B और D के पास समान संख्या में सिक्के रह जाते हैं। प्रारम्भ में A के पास कितने सिक्के थे?

OPTIONS:

A. 96

96

B. 84

84

C. 72 ✓

72

D. 64

64

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 EXPLANATION:

.

.

53 **Question 53** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

While adding the first few continuous natural numbers, a candidate missed one of the numbers and wrote the answer as 177. What was the number missed?

प्रारम्भिक कुछ क्रमिक प्राकृतिक संख्याओं को जोड़ते समय, एक अभ्यर्थी से एक संख्या छूट गई और उसने उत्तर 177 लिखा। छूटी हुई संख्या क्या थी?

OPTIONS:

A. 11

11

B. 12

12

C. 13 ✓

13

D. 14

14

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

54 **Question 54** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 1
Malnutrition most commonly occurs between the ages of six months and two years. This happens despite the child's food requirements being less than that of an older child. Malnutrition is often attributed to poverty, but it has been found that even in households where adults eat adequate quantities of food, more than 50 per cent of children-under-five do not consume enough food. The child's dependence on someone else to feed him/her is primarily responsible for the malnutrition. Very often the mother is working and the responsibility of feeding the young child is left to an older sibling. It is therefore crucial to increase awareness regarding the child's food needs and how to satisfy them.
According to the passage, malnutrition in children can be reduced.

परिच्छेद – 1
कुपोषण सर्वाधिक सामान्यतः छह माह से दो वर्ष की आयु के बीच होता है। यह उस स्थिति में भी होता है जब बच्चे की खाद्य आवश्यकताएँ किसी बड़े बच्चे की अपेक्षा कम होती हैं। कुपोषण को प्रायः गरीबी से जोड़ा जाता है, किन्तु यह पाया गया है कि उन परिवारों में भी जहाँ वयस्क पर्याप्त मात्रा में भोजन करते हैं, पाँच वर्ष से कम आयु के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे पर्याप्त भोजन का उपभोग नहीं करते। बच्चे की किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भरता, जो उसे भोजन कराए, मुख्यतः कुपोषण के लिए उत्तरदायी है। बहुत बार माता कार्यरत होती है और छोटे बच्चे को भोजन कराने की जिम्मेदारी किसी बड़े भाई या बहन पर छोड़ दी जाती है। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि बच्चे की खाद्य आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए और उन्हें किस प्रकार पूरा किया जाए, यह बताया जाए।
गद्यांश के अनुसार, बच्चों में कुपोषण को कम किया जा सकता है—

OPTIONS:

A. if the children have regular intake of food
यदि बच्चों को नियमित रूप से भोजन प्राप्त हो

B. after they cross the age of five.
जब वे पाँच वर्ष की आयु पार कर लें

C. if the food needs of younger children are known. ✓
यदि छोटे बच्चों की खाद्य आवश्यकताओं को जाना जाए

D. if the responsibility of feeding younger children is given to adults.
यदि छोटे बच्चों को भोजन कराने की जिम्मेदारी वयस्कों को दी जाए

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

55 **Question 55** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

PASSAGE – 1
Malnutrition most commonly occurs between the ages of six months and two years. This happens despite the child's food requirements being less than that of an older child. Malnutrition is often attributed to poverty, but it has been found that even in households where adults eat adequate quantities of food, more than 50 per cent of children-under-five do not consume enough food. The child's dependence on someone else to feed him/her is primarily responsible for the malnutrition. Very often the mother is working and the responsibility of feeding the young child is left to an older sibling. It is therefore crucial to increase awareness regarding the child's food needs and how to satisfy them.
According to the author, poverty is not the main cause of malnutrition, but the fact that
1. taking care of younger ones is not a priority for working mothers.
2. awareness of nutritional needs is not propagated by the Public Health authorities.
Select the correct answer using the codes given below:

परिच्छेद – 1
कुपोषण सर्वाधिक सामान्यतः छह माह से दो वर्ष की आयु के बीच होता है। यह उस स्थिति में भी होता है जब बच्चे की खाद्य आवश्यकताएँ किसी बड़े बच्चे की अपेक्षा कम होती हैं। कुपोषण को प्रायः गरीबी से जोड़ा जाता है, किन्तु यह पाया गया है कि उन परिवारों में भी जहाँ वयस्क पर्याप्त मात्रा में भोजन करते हैं, पाँच वर्ष से कम आयु के 50 प्रतिशत से अधिक बच्चे पर्याप्त भोजन का उपभोग नहीं करते। बच्चे की किसी अन्य व्यक्ति पर निर्भरता, जो उसे भोजन कराए, मुख्यतः कुपोषण के लिए उत्तरदायी है। बहुत बार माता कार्यरत होती है और छोटे बच्चे को भोजन कराने की जिम्मेदारी किसी बड़े भाई या बहन पर छोड़ दी जाती है। अतः यह अत्यंत आवश्यक है कि बच्चे की खाद्य आवश्यकताओं के प्रति जागरूकता बढ़ाई जाए और उन्हें किस प्रकार पूरा किया जाए, यह बताया जाए।
लेखक के अनुसार, गरीबी कुपोषण का मुख्य कारण नहीं है, बल्कि यह तथ्य है कि
1. कार्यरत माताओं के लिए छोटे बच्चों की देखभाल प्राथमिकता नहीं होती।
2. पोषण संबंधी आवश्यकताओं के प्रति जन स्वास्थ्य प्राधिकरणों द्वारा जागरूकता का प्रसार नहीं किया जाता।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 only ✓
केवल 2

C. Both 1 and 2
1 और 2 दोनों

D. Neither 1 nor 2 ✗
न तो 1 न ही 2

CORRECT ANSWER:

YOUR ANSWER:

B

D

💡 EXPLANATION:

.

.

56 **Question 56** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 2

A number of empirical studies find that farmers are risk-averse, though only moderately in many cases. There is also evidence to show that farmers' risk aversion results in cropping patterns and input use designed to reduce risk rather than to maximize income. Farmers adopt a number of strategies to manage and cope with agricultural risks. These include practices like crop and field diversification, non-farm 'employment storage of stocks and strategic migration of family members. There are also institutions ranging from share tenancy to kinship, extended family and informal credit agencies. One major obstacle to risk sharing by farmers is that the same type of risks can affect a large number of farmers in the region. Empirical studies show that the traditional methods are not adequate. Hence there is a need for policy interventions, especially measures that cut across geographical regions.

Polices may aim at tackling agricultural risks directly or indirectly. Examples of risk-specific policies are crop insurance, price stabilization and the development of varieties resistant to pests and diseases. Policies which affect risk indirectly are irrigation, subsidized credit and access to information. No single risk-specific policy is sufficient to reduce risk and is without sideeffects, whereas policies not specific to risk influence the general situation and affect risks only indirectly. Crop insurance, as a policy measure to tackle agricultural risk directly, deserves careful consideration in the Indian context and in many other developing countries – because the majority of farmers depend on rain-fed agriculture and in many areas yield variability is the predominant cause of their income instability.

The need for policy intervention mitigate risks in agriculture is because

परिच्छेद – 2

कई अनुभवजन्य अध्ययन यह पाते हैं कि किसान जोखिम से बचने वाले होते हैं, यद्यपि अनेक मामलों में केवल मध्यम स्तर तक। यह भी प्रमाण मिलता है कि किसानों की जोखिम से बचने की प्रवृत्ति ऐसे फसल पैटर्न और इनपुट उपयोग को जन्म देती है जो आय को अधिकतम करने के बजाय जोखिम को कम करने के लिए बनाए जाते हैं। किसान कृषि जोखिमों का प्रबंधन और उनसे निपटने के लिए अनेक रणनीतियाँ अपनाते हैं। इनमें फसल और खेत विविधीकरण, गैर-कृषि रोजगार, भंडारण तथा परिवार के सदस्यों का रणनीतिक प्रवास जैसी प्रथाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बटाई प्रथा से लेकर रिश्तेदारी, विस्तारित परिवार और अनौपचारिक ऋण एजेंसियों तक संस्थाएँ भी हैं। किसानों द्वारा जोखिम साझा करने में एक प्रमुख बाधा यह है कि समान प्रकार के जोखिम एक क्षेत्र के बड़े संख्या में किसानों को प्रभावित कर सकते हैं। अनुभवजन्य अध्ययन दर्शाते हैं कि पारंपरिक विधियाँ पर्याप्त नहीं हैं। अतः नीति हस्तक्षेप की आवश्यकता है, विशेषकर ऐसे उपाय जो भौगोलिक क्षेत्रों की सीमाओं से परे हों।

नीतियाँ कृषि जोखिमों से सीधे या परोक्ष रूप से निपटने का लक्ष्य रख सकती हैं। जोखिम-विशिष्ट नीतियों के उदाहरण हैं फसल बीमा, मूल्य स्थिरीकरण और कीट तथा रोग प्रतिरोधी किस्मों का विकास। जो नीतियाँ जोखिम को परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं उनमें सिंचाई, रियायती ऋण और सूचना तक पहुँच शामिल हैं। कोई भी एकल जोखिम-विशिष्ट नीति जोखिम को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं होती और वह दुष्प्रभावों से मुक्त भी नहीं होती, जबकि जो नीतियाँ जोखिम के लिए विशिष्ट नहीं हैं वे सामान्य स्थिति को प्रभावित करती हैं और जोखिमों को केवल परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। कृषि जोखिम से सीधे निपटने के उपाय के रूप में फसल बीमा भारतीय संदर्भ में तथा अनेक अन्य विकासशील देशों में सावधानीपूर्वक विचार के योग्य है—क्योंकि अधिकांश किसान वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं और अनेक क्षेत्रों में उत्पादन की अस्थिरता उनकी आय की अस्थिरता का प्रमुख कारण है।

कृषि में जोखिम को कम करने के लिए नीति हस्तक्षेप की आवश्यकता इसलिए है क्योंकि

OPTIONS:

A. farmers are extremely risk-averse.

किसान अत्यधिक जोखिम से बचने वाले हैं।

B. farmers do not know how to mitigate risks.
किसान जोखिम को कम करना नहीं जानते।

C. the methods adopted by farmers and existing risk sharing institutions are not adequate. ✓
किसानों द्वारा अपनाई गई विधियाँ और वर्तमान जोखिम-साझाकरण संस्थाएँ पर्याप्त नहीं हैं।

D. majority of farmers depend on rain-fed agriculture.
अधिकांश किसान वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं।

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

57 **Question 57** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE – 2
A number of empirical studies find that farmers are risk-averse, though only moderately in many cases. There is also evidence to show that farmers' risk aversion results in cropping patterns and input use designed to reduce risk rather than to maximize income. Farmers adopt a number of strategies to manage and cope with agricultural risks. These include practices like crop and field diversification, non-farm 'employment storage of stocks and strategic migration of family members. There are also institutions ranging from share tenancy to kinship, extended family and informal credit agencies. One major obstacle to risk sharing by farmers is that the same type of risks can affect a large number of farmers in the region. Empirical studies show that the traditional methods are not adequate. Hence there is a need for policy interventions, especially measures that cut across geographical regions.
Polices may aim at tackling agricultural risks directly or indirectly. Examples of risk-specific policies are crop insurance, price stabilization and the development of varieties resistant to pests and diseases. Policies which affect risk indirectly are irrigation, subsidized credit and access to information. No single risk-specific policy is sufficient to reduce risk and is without sideeffects, whereas policies not specific to risk influence the general situation and affect risks only indirectly. Crop insurance, as a policy measure to tackle agricultural risk directly, deserves careful consideration in the Indian context and in many other developing countries – because the majority of farmers depend on rain-fed agriculture and in many areas yield variability is the predominant cause of their income instability.
Which of the following observations emerges from the above passage?

परिच्छेद – 2
कई अनुभवजन्य अध्ययन यह पाते हैं कि किसान जोखिम से बचने वाले होते हैं, यद्यपि अनेक मामलों में केवल मध्यम स्तर तक। यह भी प्रमाण मिलता है कि किसानों की जोखिम से बचने की प्रवृत्ति ऐसे फसल पैटर्न और इनपुट उपयोग को जन्म देती है जो आय को अधिकतम करने के बजाय जोखिम को कम करने के लिए बनाए जाते हैं। किसान कृषि जोखिमों का प्रबंधन और उनसे निपटने के लिए अनेक रणनीतियाँ अपनाते हैं। इनमें फसल और खेत विविधीकरण, गैर-कृषि रोजगार, भंडारण तथा परिवार के सदस्यों का रणनीतिक प्रवास जैसी प्रथाएँ शामिल हैं। इसके अतिरिक्त, बटाई प्रथा से लेकर रिश्तेदारी, विस्तारित परिवार और अनौपचारिक ऋण एजेंसियों तक संस्थाएँ भी हैं। किसानों द्वारा जोखिम साझा करने में एक प्रमुख बाधा यह है कि समान प्रकार के जोखिम एक क्षेत्र के बड़े संख्या में किसानों को प्रभावित कर सकते हैं। अनुभवजन्य अध्ययन दर्शाते हैं कि पारंपरिक विधियाँ पर्याप्त नहीं हैं। अतः नीति हस्तक्षेप की आवश्यकता है, विशेषकर ऐसे उपाय जो भौगोलिक क्षेत्रों की सीमाओं से परे हों।
नीतियाँ कृषि जोखिमों से सीधे या परोक्ष रूप से निपटने का लक्ष्य रख सकती हैं। जोखिम-विशिष्ट नीतियों के उदाहरण हैं फसल बीमा, मूल्य स्थिरीकरण और कीट तथा रोग प्रतिरोधी किस्मों का विकास। जो नीतियाँ जोखिम को परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं उनमें सिंचाई, रियायती ऋण और सूचना तक पहुँच शामिल हैं। कोई भी एकल जोखिम-विशिष्ट नीति जोखिम को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं होती और वह दुष्प्रभावों से मुक्त भी नहीं होती, जबकि जो नीतियाँ जोखिम के लिए विशिष्ट नहीं हैं वे सामान्य स्थिति को प्रभावित करती हैं और जोखिमों को केवल परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं। कृषि जोखिम से सीधे निपटने के उपाय के रूप में फसल बीमा भारतीय संदर्भ में तथा अनेक अन्य विकासशील देशों में सावधानीपूर्वक विचार के योग्य है—क्योंकि अधिकांश किसान वर्षा आधारित कृषि पर निर्भर हैं और अनेक क्षेत्रों में उत्पादन की अस्थिरता उनकी आय की अस्थिरता का प्रमुख कारण है।
उपरोक्त गद्यांश से निम्नलिखित में से कौन-सा अवलोकन प्राप्त होता है?

OPTIONS:

A. One can identify a single policy that can reduce risk without any side-effect.

एक ऐसी एकल नीति की पहचान की जा सकती है जो बिना किसी दुष्प्रभाव के जोखिम को कम कर सके।

B. No single task-specific policy is sufficient to reduce agricultural risk. ✓
कोई भी एकल कार्य-विशिष्ट नीति कृषि जोखिम को कम करने के लिए पर्याप्त नहीं है।

C. Policies which affect risk indirectly can eliminate it.
जो नीतियाँ जोखिम को परोक्ष रूप से प्रभावित करती हैं वे उसे समाप्त कर सकती हैं।

D. Government's policy intervention can mitigate agricultural risk completely.
सरकार का नीति हस्तक्षेप कृषि जोखिम को पूर्णतः समाप्त कर सकता है।

CORRECT ANSWER:

B

YOUR ANSWER:

B

💡 **EXPLANATION:**

.

.

58 **Question 58** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Four metal rods of lengths 78 cm, 104 cm 117 cm and 169 cm are to be cut into parts of equal length. Each part must be as long as possible. What is the maximum number of pieces that can be cut?

78 सेमी, 104 सेमी, 117 सेमी और 169 सेमी लंबाई की चार धातु की छड़ों को समान लंबाई के भागों में काटा जाना है। प्रत्येक भाग यथासंभव अधिक लंबा होना चाहिए। अधिकतम कितने टुकड़े काटे जा सकते हैं?

OPTIONS:

A. 27

27

B. 36 ✓

36

C. 43

43

D. 400

400

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

59 **Question 59** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

In an examination, there are three subjects A, B and C. A student has to pass in each subject. 20% students failed in A, 22% students failed in B and 16% failed in C. The total number of students passing the whole examination lies between

एक परीक्षा में, तीन विषय A, B और C हैं। एक छात्र को प्रत्येक विषय में उत्तीर्ण होना है। 20% छात्र A में अनुत्तीर्ण हुए, 22% छात्र B में अनुत्तीर्ण हुए और 16% छात्र C में अनुत्तीर्ण हुए। पूरी परीक्षा में उत्तीर्ण होने वाले छात्रों की कुल संख्या निम्नलिखित के बीच होगी

OPTIONS:

A. 42% and 84%
42% और 84% के बीच ✓

B. 42% and 78%
42% और 78% के बीच ✗

C. 58% and 78%
58% और 78% के बीच

D. 58% and 84%
58% और 84% के बीच

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

60 **Question 60** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

How many times are an hour hand and a minute hand of a clock at right angles during their motion from 1.00 p.m. to 10.00 p.m.?

घड़ी की घंटे की सुई और मिनट की सुई 1.00 बजे दोपहर से 10.00 बजे रात तक अपनी गति के दौरान कितनी बार समकोण बनाती हैं?

OPTIONS:

A. 9

9

B. 10

10

C. 18 ✓

18

D. 20

20

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

61 **Question 61** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

There are 240 balls and n number of boxes B1, B2, B3, ... Bn. The balls are to be placed in the boxes such that B1should contain 4 balls more than B2, B2 should contain 4 balls more than B3, and so on. Which one of the following cannot be the possible value of n?

240 गेंदें हैं और n संख्या में बक्से B1, B2, B3, ... Bn हैं। गेंदों को बक्सों में इस प्रकार रखना है कि B1 में B2 से 4 गेंद अधिक हों, B2 में B3 से 4 गेंद अधिक हों, और इसी प्रकार आगे। निम्नलिखित में से n का कौन-सा मान संभव नहीं हो सकता है?

OPTIONS:

A. 4

4

B. 5

5

C. 6

6

D. 7 ✓

7

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

62 **Question 62** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

In the following figure

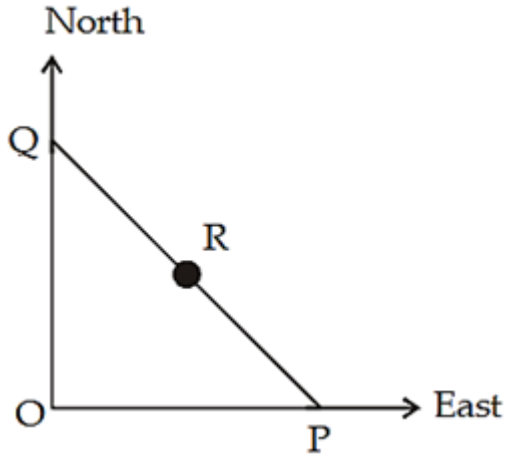

P is 300 km eastward of O and Q is 400 km north of O. R is exactly in the middle of Q and P. The distance between Q and R is

निम्नलिखित चित्र में

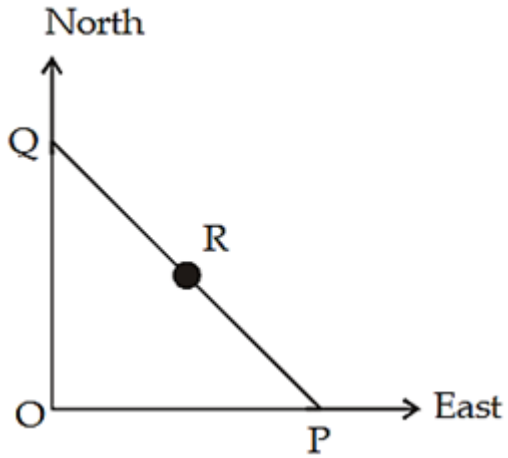

P, O से पूर्व दिशा में 300 किमी की दूरी पर है और Q, O से उत्तर दिशा में 400 किमी की दूरी पर है। R, Q और P के ठीक मध्य में है। Q और R के बीच की दूरी है

OPTIONS:

A. 250 km
250 किमी ✓

B. 300 km
300 किमी

C. 350 km
350 किमी

D. 250 √2 km
250 √2 किमी

CORRECT ANSWER:

YOUR ANSWER:

A

A

💡 EXPLANATION:

. .

63 **Question 63** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A rectangular plot of lawn shown in the figure has dimensions 'x' and 'y' and is surrounded by a gravel pathway of width 2. What is the total area of the Gravel Pathway?

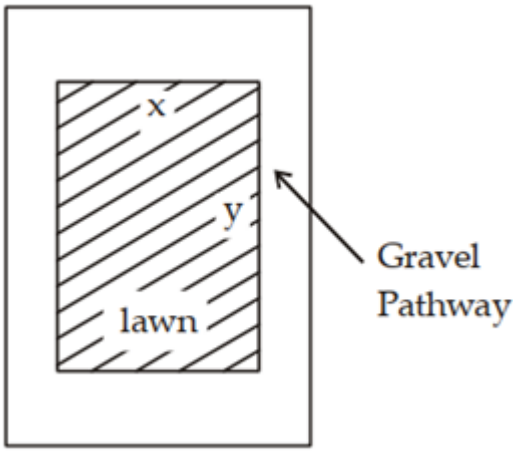

चित्र में दर्शाया गया एक आयताकार लॉन का प्लॉट, जिसकी विमाएँ 'x' और 'y' हैं, 2 इकाई चौड़ाई के कंकरीले मार्ग से घिरा हुआ है। कंकरीले मार्ग का कुल क्षेत्रफल क्या है?

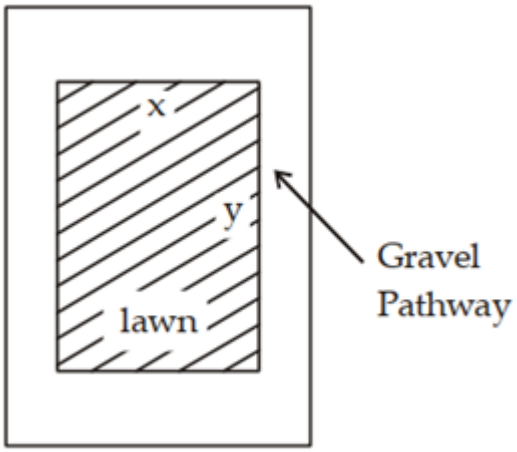

OPTIONS:

A. 2x + 2y + 4
2x + 2y + 4

B. 2x + 2y + 8
2x + 2y + 8

C. 4x + 4y + 8
4x + 4y + 8

D. 4x + 4y + 16
4x + 4y + 16 ✓

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

EXPLANATION:

. .

64 **Question 64** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

If the numbers representing volume and surface area of a cube are equal, then the length of the edge of the cube in terms of the unit of measurement will be

यदि किसी घन का आयतन और पृष्ठीय क्षेत्रफल के संख्यात्मक मान समान हों, तो मापन की इकाई के सन्दर्भ में घन की भुजा की लंबाई क्या होगी?

OPTIONS:

A. 3

B. 4

C. 5

D. 6 ✓

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

EXPLANATION:

.

.

65 **Question 65** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Financial markets in India have acquired greater depth and liquidity over the years. Steady reforms since 1991 have led to growing linkages and integration of the Indian economy and its financial system with the global economy. Weak global economic prospects and continuing uncertainties in the international financial markets therefore, have had their impact on the emerging market economies. Sovereign risk concerns, particularly in the Euro area, affected financial markets for the greater part of the year, with the contagion of Greece's soveregin debt problem spreading to India and other economies by way of higher-thannormal levels of volatility.

The funding constraints in international financial markets could impact both the availability and cost of foreign funding for banks and corporates. Since the Indian financial system is bankdominated, banks' ability to withstand stress is critical to overall financial stability. Indian banks, however, remain robust, notwithstanding a decline in capital to risk-weighted assets ratio and a rise in non-performing asset levels in the recent past. Capital adequacy levels remain above the regulatory requirements. The financial market infrastructure continues to function without any major disruption. With further globalization, consolidation, deregulation, and diversification of the financial system, the banking business may become more complex and riskier. Issues like risk and liquidity management and enhancing skill therefore assume greater significance.

According to the passage, the financial markets in the emerging market economies including India had the adverse impact in recent years due to

1. weak global economic prospects.
2. uncertainties in the international financial markets.
3. sovereign risk concerns in the Euro area.
4. bad monsoons and the resultant crop loss.

Select the correct answer using the code given below:

परिच्छेद

भारत में वित्तीय बाज़ारों ने वर्षों के दौरान अधिक गहराई और तरलता प्राप्त की है। 1991 से निरंतर सुधारों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वित्तीय तंत्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ बढ़ते संबंध और एकीकरण हुए हैं। इसलिए, कमजोर वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में जारी अनिश्चितताएँ उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं पर अपना प्रभाव डालती रही हैं। संप्रभु जोखिम से संबंधित चिंताएँ, विशेषकर यूरो क्षेत्र में, वर्ष के अधिकांश भाग में वित्तीय बाज़ारों को प्रभावित करती रहीं, जहाँ ग्रीस के संप्रभु ऋण संकट का प्रभाव भारत और अन्य अर्थव्यवस्थाओं तक असामान्य रूप से अधिक अस्थिरता के रूप में फैल गया।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में वित्तपोषण की बाधाएँ बैंकों और कॉरपोरेट के लिए विदेशी वित्त की उपलब्धता और लागत दोनों को प्रभावित कर सकती हैं। चूँकि भारतीय वित्तीय तंत्र बैंक-प्रधान है, इसलिए तनाव को सहन करने की बैंकों की क्षमता समग्र वित्तीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। तथापि, हाल के समय में पूँजी से जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के अनुपात में कमी और अवनिष्पादित परिसंपत्तियों के स्तर में वृद्धि के बावजूद भारतीय बैंक सुदृढ़ बने हुए हैं। पूँजी पर्याप्तता स्तर नियामकीय आवश्यकताओं से ऊपर बना हुआ है। वित्तीय बाज़ार अवसंरचना बिना किसी बड़े व्यवधान के कार्य करती रही है। आगे के वैश्वीकरण, समेकन, विनियमन-मुक्ति और वित्तीय तंत्र के विविधीकरण के साथ बैंकिंग व्यवसाय अधिक जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए जोखिम और तरलता प्रबंधन तथा कौशल वृद्धि जैसे मुद्दे अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

गद्यांश के अनुसार, भारत सहित उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं में हाल के वर्षों में वित्तीय बाज़ारों पर प्रतिकूल प्रभाव निम्नलिखित कारणों से पड़ा है

1. कमजोर वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ।
2. अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में अनिश्चितताएँ।
3. यूरो क्षेत्र में संप्रभु जोखिम संबंधी चिंताएँ।

4. खराब मानसून और उससे होने वाली फसल हानि।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1 and 2 only
केवल 1 और 2

B. 1, 2 and 3 ✓
1, 2 और 3

C. 2 and 3 only
केवल 2 और 3

D. 2, 3 and 4
2, 3 और 4

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

66 **Question 66** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE
Financial markets in India have acquired greater depth and liquidity over the years. Steady reforms since 1991 have led to growing linkages and integration of the Indian economy and its financial system with the global economy. Weak global economic prospects and continuing uncertainties in the international financial markets therefore, have had their impact on the emerging market economies. Sovereign risk concerns, particularly in the Euro area, affected financial markets for the greater part of the year, with the contagion of Greece's soveregin debt problem spreading to India and other economies by way of higher-thannormal levels of volatility.
The funding constraints in international financial markets could impact both the availability and cost of foreign funding for banks and corporates. Since the Indian financial system is bankdominated, banks' ability to withstand stress is critical to overall financial stability. Indian banks, however, remain robust, notwithstanding a decline in capital to risk-weighted assets ratio and a rise in non-performing asset levels in the recent past. Capital adequacy levels remain above the regulatory requirements. The financial market infrastructure continues to function without any major disruption. With further globalization, consolidation, deregulation, and diversification of the financial system, the banking business may become more complex and riskier. Issues like risk and liquidity management and enhancing skill therefore assume greater significance.
The Indian financial markets are affected by global changes mainly due to the

परिच्छेद
भारत में वित्तीय बाज़ारों ने वर्षों के दौरान अधिक गहराई और तरलता प्राप्त की है। 1991 से निरंतर सुधारों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वित्तीय तंत्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ बढ़ते संबंध और एकीकरण हुए हैं। इसलिए, कमजोर वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में जारी अनिश्चितताएँ उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं पर अपना प्रभाव डालती रही हैं। संप्रभु जोखिम से संबंधित चिंताएँ, विशेषकर यूरो क्षेत्र में, वर्ष के अधिकांश भाग में वित्तीय बाज़ारों को प्रभावित करती रहीं, जहाँ ग्रीस के संप्रभु ऋण संकट का प्रभाव भारत और अन्य अर्थव्यवस्थाओं तक असामान्य रूप से अधिक अस्थिरता के रूप में फैल गया।
अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में वित्तपोषण की बाधाएँ बैंकों और कॉरपोरेट के लिए विदेशी वित्त की उपलब्धता और लागत दोनों को प्रभावित कर सकती हैं। चूँकि भारतीय वित्तीय तंत्र बैंक-प्रधान है, इसलिए तनाव को सहन करने की बैंकों की क्षमता समग्र वित्तीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। तथापि, हाल के समय में पूँजी से जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के अनुपात में कमी और अवनिष्पादित परिसंपत्तियों के स्तर में वृद्धि के बावजूद भारतीय बैंक सुदृढ़ बने हुए हैं। पूँजी पर्याप्तता स्तर नियामकीय आवश्यकताओं से ऊपर बना हुआ है। वित्तीय बाज़ार अवसंरचना बिना किसी बड़े व्यवधान के कार्य करती रही है। आगे के वैश्वीकरण, समेकन, विनियमन-मुक्ति और वित्तीय तंत्र के विविधीकरण के साथ बैंकिंग व्यवसाय अधिक जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए जोखिम और तरलता प्रबंधन तथा कौशल वृद्धि जैसे मुद्दे अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।
भारतीय वित्तीय बाज़ार वैश्विक परिवर्तनों से मुख्यतः किस कारण प्रभावित होते हैं?

OPTIONS:

A. increased inflow of remittances from abroad
विदेश से प्रेषण की बढ़ती आवक के कारण

B. enormous increases in the foreign exchange reserves.
विदेशी मुद्रा भंडार में अत्यधिक वृद्धि के कारण

C. growing global linkages and integration of the Indian financial markets. ✓

भारतीय वित्तीय बाज़ारों के बढ़ते वैश्विक संबंध और एकीकरण के कारण

D. contagion of Greece's sovereign debt problem.

ग्रीस के संप्रभु ऋण संकट के प्रसार के कारण

CORRECT ANSWER:

C

YOUR ANSWER:

C

💡 **EXPLANATION:**

.

.

67 **Question 67** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Financial markets in India have acquired greater depth and liquidity over the years. Steady reforms since 1991 have led to growing linkages and integration of the Indian economy and its financial system with the global economy. Weak global economic prospects and continuing uncertainties in the international financial markets therefore, have had their impact on the emerging market economies. Sovereign risk concerns, particularly in the Euro area, affected financial markets for the greater part of the year, with the contagion of Greece's soveregin debt problem spreading to India and other economies by way of higher-thannormal levels of volatility.

The funding constraints in international financial markets could impact both the availability and cost of foreign funding for banks and corporates. Since the Indian financial system is bankdominated, banks' ability to withstand stress is critical to overall financial stability. Indian banks, however, remain robust, notwithstanding a decline in capital to risk-weighted assets ratio and a rise in non-performing asset levels in the recent past. Capital adequacy levels remain above the regulatory requirements. The financial market infrastructure continues to function without any major disruption. With further globalization, consolidation, deregulation, and diversification of the financial system, the banking business may become more complex and riskier. Issues like risk and liquidity management and enhancing skill therefore assume greater significance.

According to the passage, in the Indian financial system, bank's ability to withstand stress is critical to ensure overall financial stability because Indian financial system is

---

परिच्छेद

भारत में वित्तीय बाज़ारों ने वर्षों के दौरान अधिक गहराई और तरलता प्राप्त की है। 1991 से निरंतर सुधारों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वित्तीय तंत्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ बढ़ते संबंध और एकीकरण हुए हैं। इसलिए, कमजोर वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में जारी अनिश्चितताएँ उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं पर अपना प्रभाव डालती रही हैं। संप्रभु जोखिम से संबंधित चिंताएँ, विशेषकर यूरो क्षेत्र में, वर्ष के अधिकांश भाग में वित्तीय बाज़ारों को प्रभावित करती रहीं, जहाँ ग्रीस के संप्रभु ऋण संकट का प्रभाव भारत और अन्य अर्थव्यवस्थाओं तक असामान्य रूप से अधिक अस्थिरता के रूप में फैल गया।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में वित्तपोषण की बाधाएँ बैंकों और कॉरपोरेट के लिए विदेशी वित्त की उपलब्धता और लागत दोनों को प्रभावित कर सकती हैं। चूँकि भारतीय वित्तीय तंत्र बैंक-प्रधान है, इसलिए तनाव को सहन करने की बैंकों की क्षमता समग्र वित्तीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। तथापि, हाल के समय में पूँजी से जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के अनुपात में कमी और अवनिष्पादित परिसंपत्तियों के स्तर में वृद्धि के बावजूद भारतीय बैंक सुदृढ़ बने हुए हैं। पूँजी पर्याप्तता स्तर नियामकीय आवश्यकताओं से ऊपर बना हुआ है। वित्तीय बाज़ार अवसंरचना बिना किसी बड़े व्यवधान के कार्य करती रही है। आगे के वैश्वीकरण, समेकन, विनियमन-मुक्ति और वित्तीय तंत्र के विविधीकरण के साथ बैंकिंग व्यवसाय अधिक जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए जोखिम और तरलता प्रबंधन तथा कौशल वृद्धि जैसे मुद्दे अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

गद्यांश के अनुसार, भारतीय वित्तीय तंत्र में बैंकों की तनाव सहन करने की क्षमता समग्र वित्तीय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है क्योंकि भारतीय वित्तीय तंत्र

OPTIONS:

A. controlled by the Government of India

भारत सरकार द्वारा नियंत्रित है

B. less integrated with banks.
बैंकों के साथ कम एकीकृत है

C. controlled by the Reserve of Bank of India.
भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा नियंत्रित है

D. dominated by Banks. ✓
बैंकों द्वारा प्रभुत्वशाली है

CORRECT ANSWER:

D

YOUR ANSWER:

D

💡 **EXPLANATION:**

.

.

68 **Question 68** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

PASSAGE

Financial markets in India have acquired greater depth and liquidity over the years. Steady reforms since 1991 have led to growing linkages and integration of the Indian economy and its financial system with the global economy. Weak global economic prospects and continuing uncertainties in the international financial markets therefore, have had their impact on the emerging market economies. Sovereign risk concerns, particularly in the Euro area, affected financial markets for the greater part of the year, with the contagion of Greece's soveregin debt problem spreading to India and other economies by way of higher-thannormal levels of volatility.

The funding constraints in international financial markets could impact both the availability and cost of foreign funding for banks and corporates. Since the Indian financial system is bankdominated, banks' ability to withstand stress is critical to overall financial stability. Indian banks, however, remain robust, notwithstanding a decline in capital to risk-weighted assets ratio and a rise in non-performing asset levels in the recent past. Capital adequacy levels remain above the regulatory requirements. The financial market infrastructure continues to function without any major disruption. With further globalization, consolidation, deregulation, and diversification of the financial system, the banking business may become more complex and riskier. Issues like risk and liquidity management and enhancing skill therefore assume greater significance.

Risk and liquidity management assumes more importance in the Indian banking system in future due to

1. further globalization.
2. more consolidation and deregulation of financial system
3. further diversification of the financial system.
4. more financial inclusion in the economy.

Select the correct answer using the code given below:

परिच्छेद

भारत में वित्तीय बाज़ारों ने वर्षों के दौरान अधिक गहराई और तरलता प्राप्त की है। 1991 से निरंतर सुधारों के कारण भारतीय अर्थव्यवस्था और उसके वित्तीय तंत्र के वैश्विक अर्थव्यवस्था के साथ बढ़ते संबंध और एकीकरण हुए हैं। इसलिए, कमजोर वैश्विक आर्थिक संभावनाएँ और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में जारी अनिश्चितताएँ उभरती बाज़ार अर्थव्यवस्थाओं पर अपना प्रभाव डालती रही हैं। संप्रभु जोखिम से संबंधित चिंताएँ, विशेषकर यूरो क्षेत्र में, वर्ष के अधिकांश भाग में वित्तीय बाज़ारों को प्रभावित करती रहीं, जहाँ ग्रीस के संप्रभु ऋण संकट का प्रभाव भारत और अन्य अर्थव्यवस्थाओं तक असामान्य रूप से अधिक अस्थिरता के रूप में फैल गया।

अंतरराष्ट्रीय वित्तीय बाज़ारों में वित्तपोषण की बाधाएँ बैंकों और कॉरपोरेट के लिए विदेशी वित्त की उपलब्धता और लागत दोनों को प्रभावित कर सकती हैं। चूँकि भारतीय वित्तीय तंत्र बैंक-प्रधान है, इसलिए तनाव को सहन करने की बैंकों की क्षमता समग्र वित्तीय स्थिरता के लिए अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। तथापि, हाल के समय में पूँजी से जोखिम-भारित परिसंपत्तियों के अनुपात में कमी और अवनिष्पादित परिसंपत्तियों के स्तर में वृद्धि के बावजूद भारतीय बैंक सुदृढ़ बने हुए हैं। पूँजी पर्याप्तता स्तर नियामकीय आवश्यकताओं से ऊपर बना हुआ है। वित्तीय बाज़ार अवसंरचना बिना किसी बड़े व्यवधान के कार्य करती रही है। आगे के वैश्वीकरण, समेकन, विनियमन-मुक्ति और वित्तीय तंत्र के विविधीकरण के साथ बैंकिंग व्यवसाय अधिक जटिल और जोखिमपूर्ण हो सकता है। इसलिए जोखिम और तरलता प्रबंधन तथा कौशल वृद्धि जैसे मुद्दे अधिक महत्त्वपूर्ण हो जाते हैं।

भारतीय बैंकिंग प्रणाली में भविष्य में जोखिम और तरलता प्रबंधन अधिक महत्वपूर्ण होने का कारण है

1. अधिक वैश्वीकरण।
2. वित्तीय तंत्र का अधिक समेकन और विनियमन-मुक्ति।
3. वित्तीय तंत्र का अधिक विविधीकरण।

4. अर्थव्यवस्था में अधिक वित्तीय समावेशन।
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

OPTIONS:

A. 1, 2 and 3 ✓
1, 2 और 3

B. 2, 3 and 4
2, 3 और 4

C. 1 and 2 only
केवल 1 और 2

D. 3 and 4 only
केवल 3 और 4

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **A**

💡 EXPLANATION:

.

.

69 **Question 69** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Nine different letters are to be dropped in three different letter boxes. In how many different ways can this be done?

नौ भिन्न पत्रों को तीन भिन्न पत्र-पेटियों में डाला जाना है। यह कितने विभिन्न तरीकों से किया जा सकता है?

OPTIONS:

A. 27

27

B. 39 ✓

39

C. 92

92

D. 39 –3

39 – 3

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

70 **Question 70** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

In how many different ways can six players be arranged in a line such that two of them, Ajit and Mukherjee, are never together?

छह खिलाड़ियों को एक पंक्ति में कितने विभिन्न तरीकों से व्यवस्थित किया जा सकता है ताकि उनमें से दो, अजीत और मुखर्जी, कभी साथ-साथ न हों?

OPTIONS:

A. 120

120

B. 240

240

C. 360

360

D. 480 ✓

480

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

EXPLANATION:

.

.

71 **Question 71** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

Production of Rice and Wheat (In 'million of Tonnes')

Year	Rice	Wheat	Percentage of Wheat to Rice
1950–51	20.58	6.46	31.4
1960–61	34.58	11.00	31.8
1970–71	42.22	23.83	56.4
1980–81	58.63	36.31	67.7
1990–91	74.29	55.14	74.2
1994–95	81.81	65.77	80.4
1995–96	79.62	62.62	78.6

The above table indicates the performance of India in rice and wheat production from 1950-51 to 1995-96. Which of the following conclusions arrived at from the above table would be valid?

1. Record production of rice as well as wheat has been increasing in 1994-95
2. The ratio of wheat to rice production seems to have steadily increased over 16 years
3. Wheat has not been popular among the Indian population before 1980
4. India became self-sufficient in rice and wheat only after 1990

Select the correct answer using the codes given below:

Codes:

चावल और गेहूँ का उत्पादन ('मिलियन टन' में)

Year	Rice	Wheat	Percentage of Wheat to Rice
1950–51	20.58	6.46	31.4
1960–61	34.58	11.00	31.8
1970–71	42.22	23.83	56.4
1980–81	58.63	36.31	67.7
1990–91	74.29	55.14	74.2
1994–95	81.81	65.77	80.4
1995–96	79.62	62.62	78.6

उपरोक्त सारणी 1950-51 से 1995-96 तक भारत में धान और गेहूँ के उत्पादन में प्रदर्शन को दर्शाती है। निम्नलिखित में से कौन-से निष्कर्ष उपरोक्त सारणी से वैध रूप से निकाले जा सकते हैं?

1. 1994-95 में धान तथा गेहूँ दोनों का अभिलेख उत्पादन बढ़ रहा है
2. गेहूँ से धान के उत्पादन का अनुपात 16 वर्षों में निरंतर बढ़ता हुआ प्रतीत होता है
3. 1980 से पूर्व गेहूँ भारतीय जनसंख्या में लोकप्रिय नहीं था
4. भारत 1990 के बाद ही धान और गेहूँ में आत्मनिर्भर बना

नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

कूट:

OPTIONS:

A. 1 and 2
1 और 2 ✓

B. 1, 2, 3 and 4
1, 2, 3 और 4

C. 3 and 4
3 और 4

D. None of these
इनमें से कोई नहीं ✗

CORRECT ANSWER: **A**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

. .

72 **Question 72** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Three students are picked at random from a school having a total of 1000 students. The probability that these three students will have identical date and month of their birth, is

1000 छात्रों वाले एक विद्यालय से तीन छात्रों को यादृच्छिक रूप से चुना जाता है। इस बात की प्रायिकता क्या है कि इन तीनों छात्रों की जन्मतिथि (तारीख और महीना) समान हो?

OPTIONS:

A. 3/1000

3/1000

B. 3/365

3/365

C. 1/(365)2 ✓

$1/(365)^2$

D. None of these

इनमें से कोई नहीं

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

73 **Question 73** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

On a railway route between two places A and B, there are 20 stations on the way. If 4 new stations are to be added, how many types of new tickets will be required if each ticket is issued for a one way journey?

दो स्थान A और B के बीच एक रेल मार्ग पर मार्ग में 20 स्टेशन हैं। यदि 4 नए स्टेशन जोड़े जाने हैं, तो एक-तरफा यात्रा के लिए प्रत्येक टिकट जारी होने पर कितने प्रकार के नए टिकटों की आवश्यकता होगी?

OPTIONS:

A. 14

14

B. 48

48

C. 96

96

D. 108 ✓

108

CORRECT ANSWER: **D**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

.

.

74 Question 74 Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A conveyer belt delivers baggage at the rate of 3 tonns in 5 minutes and a second conveyer belt delivers baggage at the rate of 1 tonns in 2 minutes. How much time will it take to get 33 tonns of baggage delivered using both the conveyer belts?

एक कन्वेयर बेल्ट 5 मिनट में 3 टन सामान पहुँचाती है और दूसरी कन्वेयर बेल्ट 2 मिनट में 1 टन सामान पहुँचाती है। दोनों कन्वेयर बेल्ट का उपयोग करके 33 टन सामान पहुँचाने में कितना समय लगेगा?

OPTIONS:

A. 25 minutes and 30 seconds
25 मिनट 30 सेकंड

B. 30 minutes ✓
30 मिनट

C. 35 minutes
35 मिनट

D. 40 minutes and 45 seconds
40 मिनट 45 सेकंड

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

75 **Question 75** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

Two ladies simultaneously leave cities A and B connected by a straight road and travel towards each other. The first lady travels 2 km/hr faster than the second lady and reaches B one hour before the second lady reaches A. The two cities A and B are 24 km. apart. How many kilometers does each lady travel in one hour?

दो महिलाएँ एक साथ नगर A और B से, जो एक सीधी सड़क द्वारा जुड़े हुए हैं, एक-दूसरे की ओर चलती हैं। पहली महिला दूसरी महिला की अपेक्षा 2 किमी/घंटा अधिक गति से चलती है और दूसरी महिला के A पहुँचने से एक घंटा पहले B पहुँच जाती है। नगर A और B के बीच की दूरी 24 किमी है। प्रत्येक महिला एक घंटे में कितनी दूरी तय करती है?

OPTIONS:

A. 5 km, 3 km
5 किमी, 3 किमी

B. 7 km, 5 km
7 किमी, 5 किमी

C. 8 km, 6 km ✓
8 किमी, 6 किमी

D. 16 km, 14 km
16 किमी, 14 किमी

CORRECT ANSWER: **C**

YOUR ANSWER: **C**

💡 EXPLANATION:

.

.

76 **Question 76** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

The number of students in two sections, A and B having different heights is shown in the following Table.

Height Number of students (in metres)	in section A	in section B
1.55	3	2
1.60	7	6
1.62	12	14
1.65	15	14
1.68	8	9
1.71	6	5
1.75	3	4

The ratio of the number of students of a particular height in section A to that in section B is the maximum for the height of

दो वर्गों A और B में विभिन्न ऊँचाइयों वाले छात्रों की संख्या निम्नलिखित सारणी में दी गई है।

Height Number of students (in metres)	in section A	in section B
1.55	3	2
1.60	7	6
1.62	12	14
1.65	15	14
1.68	8	9
1.71	6	5
1.75	3	4

किसी विशेष ऊँचाई पर वर्ग A में छात्रों की संख्या का वर्ग B में छात्रों की संख्या से अनुपात किस ऊँचाई के लिए अधिकतम है?

OPTIONS:

A. 1.55 m
1.55 मीटर ✓

B. 1.60 m
1.60 मीटर

C. 1.65 m
1.65 मीटर

D. 1.71 m
1.71 मीटर

CORRECT ANSWER:

A

YOUR ANSWER:

A

💡 EXPLANATION:

. .

77 **Question 77** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

2 men and 1 women board a bus in which 5 seats are vacant. One of these five seats is reserved for ladies. A women may or may not sit on the seat reserved for ladies but a man can not sit on the seat reserved for ladies. In how many different ways can the five seats occupied by these passengers?

2 पुरुष और 1 महिला एक बस में चढ़ते हैं जिसमें 5 सीटें खाली हैं। इन पाँच सीटों में से एक सीट महिलाओं के लिए आरक्षित है। एक महिला उस आरक्षित सीट पर बैठ भी सकती है या नहीं भी, परन्तु कोई पुरुष उस आरक्षित सीट पर नहीं बैठ सकता। इन यात्रियों द्वारा पाँच सीटों को कितने विभिन्न तरीकों से भरा जा सकता है?

OPTIONS:

A. 15

15

B. 36 ✓

36

C. 48

48

D. 60

60

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

78 **Question 78** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

A worker reaches his factory 3 minutes late if his speed from his house to the factory is 5 km/hr If he walks at a speed of 6 km/hr, then he reaches the factory 7 minutes early. The distance of the factory from his house is

एक कर्मचारी अपने घर से कारखाने तक 5 किमी/घंटा की गति से चलने पर 3 मिनट देर से पहुँचता है। यदि वह 6 किमी/घंटा की गति से चलता है, तो वह 7 मिनट पहले पहुँचता है। उसके घर से कारखाने की दूरी क्या है?

OPTIONS:

A. 4 km
4 किमी

B. 5 km ✓
5 किमी

C. 6 km
6 किमी

D. 7 km
7 किमी

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **B**

💡 EXPLANATION:

.

.

79 **Question 79** Conceptual ✓ Correct

QUESTION:

The following table shows the percent change in the amount of sales (in rupees) at different retail stores in a given neighbourhood market in the period 1993 to 1995

Retail store	Percent change	
	1993 to 1994	1994 to 1995
Anshu	+10	−10
Borna	−20	+9
Calpo	+5	+12
Dilip	−7	−15
Elegant	+17	−8

If the sales at Anshu store amounted to ₹ 8 lakh in 1993, then the amount of sales (in lakh rupees) at that store in 1995 was

निम्नलिखित सारणी में 1993 से 1995 की अवधि में एक दिए गए पड़ोस के बाजार के विभिन्न खुदरा दुकानों पर बिक्री (रुपयों में) की मात्रा में प्रतिशत परिवर्तन दर्शाया गया है।

Retail store	Percent change	
	1993 to 1994	1994 to 1995
Anshu	+10	−10
Borna	−20	+9
Calpo	+5	+12
Dilip	−7	−15
Elegant	+17	−8

यदि अंशु स्टोर पर 1993 में बिक्री की राशि 8 लाख रुपये थी, तो 1995 में उस स्टोर पर बिक्री की राशि (लाख रुपये में) कितनी थी?

OPTIONS:

A. 7.92 ✓
7.92

B. 8
8

C. 8.8

8.8

D. 9.68
9.68

CORRECT ANSWER:

A

YOUR ANSWER:

A

💡 EXPLANATION:

. .

80 **Question 80** Conceptual ✗ Wrong

QUESTION:

The misery index is the sum of a country's unemployment and inflation rate. The higher the index, the more miserable is the country to live in. The figure given below is the misery index for various countries in Europe.

Which of the following conclusions can be drawn from the misery index given above?

1. Britain is the most miserable country to live In
2. The inflation rate in Spain is less than that in Belgium and Britain
3. Italy and France seem to have almost identical unemployment
4. The higher the misery index, the higher the inflation rate

Select the correct answer using the codes given below:

Codes:

मिज़री सूचकांक किसी देश की बेरोजगारी दर और मुद्रास्फीति दर का योग होता है। जितना अधिक यह सूचकांक होगा, उस देश में रहना उतना ही अधिक कष्टदायक होगा। नीचे दिए गए चित्र में यूरोप के विभिन्न देशों के लिए मिज़री सूचकांक दर्शाया गया है।

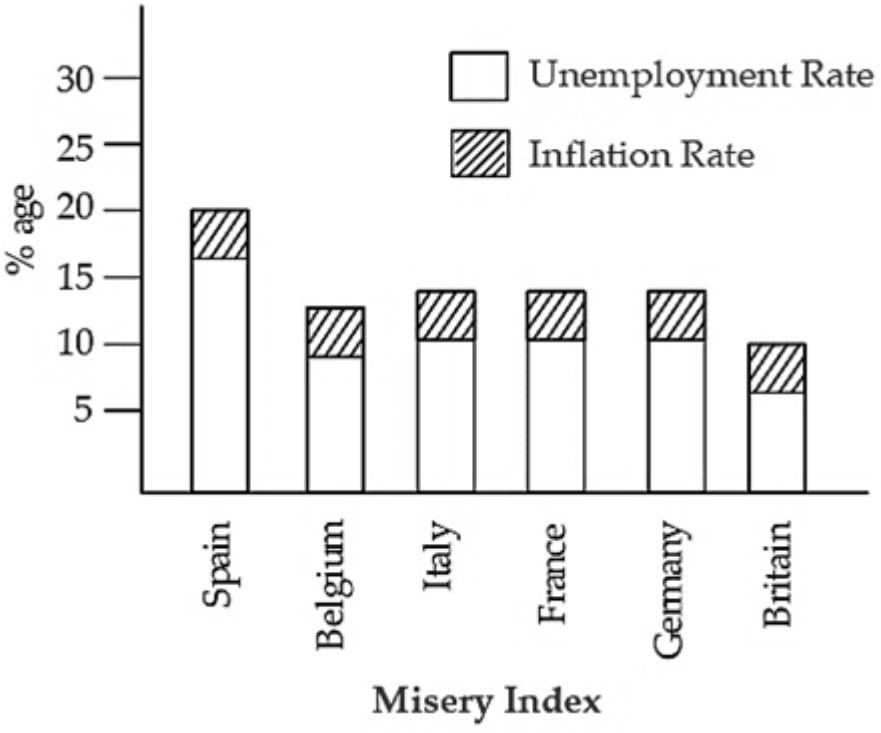

निम्नलिखित में से कौन-से निष्कर्ष उपरोक्त मिज़री सूचकांक से निकाले जा सकते हैं?
1. ब्रिटेन रहने के लिए सबसे अधिक कष्टदायक देश है
2. स्पेन में मुद्रास्फीति दर, बेल्जियम और ब्रिटेन की तुलना में कम है
3. इटली और फ्रांस में बेरोजगारी लगभग समान प्रतीत होती है
4. जितना अधिक मिज़री सूचकांक, उतनी अधिक मुद्रास्फीति दर
नीचे दिए गए कूट का उपयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:
कूट:

OPTIONS:

A. 1 only
केवल 1

B. 2 and 3 ✓
2 और 3

C. 1, 2, 3 and 4
1, 2, 3 और 4

D. None of these ✗
इनमें से कोई नहीं

CORRECT ANSWER: **B**

YOUR ANSWER: **D**

💡 EXPLANATION:

. .